राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

# समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ




वर्ष 15, अंक 72 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 20 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

## संक्षिप्त समाचार

### बंगाल एसआईआर मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दिया ये निर्देश

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (स्क्र) को लेकर मचे घमासान के बीच आज आज सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश जारी किया है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि %तार्किक विसंगति% की श्रेणी में नोटिस पाने वाले करीब 12 लाख मतदाताओं के नाम सार्वजनिक किए जाएं और उन्हें इससे संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए भरपूर समय दिया जाए।
सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि वर्तनी (मात्रा) की मामूली गलतियों या पुराने पारिवारिक रिकॉर्ड्स की विसंगतियों के चलते किसी भी वैध मतदाता का नाम सूची से बाहर नहीं होना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि माता-पिता और बच्चों के बीच उम्र के कम अंतर को आधार बनाकर नाम नहीं हटाए जा सकते, क्योंकि भारत में %बाल विवाह% एक कड़वी वास्तविकता रही है।

### दिल्ली के यमुना तट पर कुश्ती का महाकुंभ ऐतिहासिक इनामी दंगल में दिखी अखाड़ा संस्कृति

**नई दिल्ली।** पुरानी दिल्ली के यमुना तट स्थित घाट संख्याङ्क2 पर रविवार को यमुना युवक केंद्र के तत्वावधान में ऐतिहासिक इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन परंपरागत गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 1967 से लगातार आयोजित हो रहा यह दंगल आज भी कुश्ती प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष का आयोजन महान पहलवान स्वर्गीय धर्मपाल यादव की स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कुश्ती केवल शारीरिक बल का खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार और भारतीय परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय धर्मपाल यादव जैसे पहलवानों ने देश में कुश्ती को पहचान दिलाई और यमुना युवक केंद्र द्वारा दशकों से इस विरासत को आगे बढ़ाया जाना सराहनीय प्रयास है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने स्वर्गीय धर्मपाल यादव को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों को संरक्षण और प्रोत्साहन देना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी के अखाड़ों में अभ्यास करने वाले पहलवानों को विशेष सहयोग की आवश्यकता है और इसी दिशा में 'दिल्ली केसरी' जैसे बड़े स्तर के कुश्ती आयोजनों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि दिल्ली के पहलवानों को राष्ट्रीय मंच मिल सके।

(चंडीगढ़)पंजाब : भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्यपाल को लिखा पत्र, सरकार पर मीडिया की आजादी छीनने का आरोप
चंडीगढ़ ,19 जनवरी (आरएनएस)। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को एक पत्र लिखकर राज्य में मीडिया की आजादी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जताई है। भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पत्र में लिखा कि पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। आम लोग अपनी सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं, लेकिन इस पर ध्यान देने के बजाय आम आदमी पार्टी की सरकार मीडिया की आवाज दबाने में लगी हुई है। राज्य सरकार जानबूझकर मीडिया की स्वतंत्र रिपोर्टिंग को रोकना चाहती है, ताकि पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की सच्चाई जनता तक न पहुंच सके।

### राम जलसेतु लिंक परियोजना को मिली गति – जून 2028 में बनकर होगा पूरा

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत् प्रयासों से प्रदेश की महत्वाकांक्षी राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। जल सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली परियोजना के तहत चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह जून, 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना से संबंधित कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत 2 हजार 330 करोड़ रूपए की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह चम्बल एक्वाडक्ट एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील के गोहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके माध्यम से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा। 2280 मीटर लम्बे एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर प्रस्तावित है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ के बाद से ही तेजी से कार्य किया जा रहा है। निर्माण स्थल पर कैंप एवं बैचिंग प्लांट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एक्वाडक्ट हेतु प्रस्तावित 15 टेस्ट पाइल में से 8 टेस्ट पाइल का कार्य पूर्ण हो चुका है।

हमला हुआ तो नाटो का क्या होगा, डेनमार्क की तैयारी कैसी?

# अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से रोक पाएगा यूरोप

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** अमेरिका की तरफसे ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामकता लगातार बढ़ती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एलान किया कि ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर उनके फैसले का समर्थन न करने वाले यूरोपीय देशों पर अमेरिका 1 फरवरी से 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। अगर यूरोपीय देश आगे भी ग्रीनलैंड को लेकर उनके निर्णय को नहीं मानते तो 1 जून से यह टैरिफबढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच सकता है।




रक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका आने वाले समय में व्यापार और सैन्य ताकत का इस्तेमाल कर ग्रीनलैंड पर कब्जे की कोशिशों को और तेज कर सकता है। अगर ट्रंप डेनमार्क शासित ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की कोशिश करते हैं तो पश्चिमी देशों के सैन्य गठबंधन नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) में ही फूट पड़ सकती है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका किस तरह की तैयारियां कर रहा है? ग्रीनलैंड के बचाव के लिए यूरोप ने किस तरह से कमर कसी है, उसकी ताकत कितनी है? अगर ग्रीनलैंड को लेकर टकराव की स्थिति पैदा होती है तो नाटो का क्या भविष्य हो सकता है? इसके अलावा विशेषज्ञ इस मुद्दे पर क्या कहते हैं? आइये जानते हैं...

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ग्रीनलैंड पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक स्तर पर तैयारी कर रहा है। हालिया दिनों में इसके कुछ संकेत भी मिले हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो इस क्षेत्र को खरीदने की संभावनाओं पर यूरोपीय अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ और नाटो से जुड़े सहयोगियों पर 10त्न से 25त्न तक टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके जरिए वे सहयोगियों पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे अमेरिका के ग्रीनलैंड अधिग्रहण के दावों का विरोध न करें और शांतिपूर्ण ढंग से ग्रीनलैंड को अमेरिका को बेचने के लिए तैयार हो जाएं।

ग्रीनलैंड में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी पहले से ही है। हालांकि, इसके बावजूद अमेरिका के किसी भी राष्ट्रपति ने ग्रीनलैंड पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल करके अधिग्रहण की कोशिश नहीं की है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लीविट ने साफकिया है कि ग्रीनलैंड पर सैन्य कब्जे का विचार अब भी विकल्पों में शामिल है। पेंटागन ने ग्रीनलैंड की जिम्मेदारी को अमेरिकी यूरोपीय कमान से हटाकर अमेरिकी उत्तरी कमान को सौंप दी है, जिसका मकसद अमेरिका और पश्चिमी गोलार्ध की रक्षा क्षमता को मजबूत करना है। अमेरिका के पास मौजूदा समय में ग्रीनलैंड में पिटुफिक्र स्पेस बेस है, जो मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा अमेरिका के पास ग्रीनलैंड में 16 पुराने सैन्य बेस हैं, जिन्हें किसी भी समय फिर से सक्रिय किया जा सकता है।

## ईरानी राष्ट्रपति की चेतावनी; खामेनेई पर हमला पूरे ईरान के खिलाफ युद्ध माना जाएगा

**तेहरान ( एजेंसी )।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कड़ी चेतावनी दी है कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई पर कोई भी हमला हुआ, तो उसे पूरे ईरानी राष्ट्र के खिलाफ खुला युद्ध माना जाएगा। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तीखी बयानबाजी के बाद आई है।



पेज़ेशकियन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि हमारे महान नेता पर हमला, ईरान के खिलाफ पूरी जंग जैसा होगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तनाव इसलिए बढ़ गया है क्योंकि ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अब ईरान में नए नेतृत्व की जरूरत है।

ईरानी राष्ट्रपति लिखा, हमारे महान नेता पर कोई भी हमला ईरानी राष्ट्र के खिलाफ पूरी तरह से युद्ध के बराबर होगा। उन्होंने देश की आर्थिक परेशानियों के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की पुरानी दुश्मनी और अमानवीय प्रतिबंधों की वजह से ईरान की जनता को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता ख़ामेनेई ने डोनाल्ड ट्रंप को अपराधी कहा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ईरान में हाल के अशांत दौर में हुई मौतों और नुकसान के लिए ट्रंप जिम्मेदार हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईरान में दशकों से चला आ रहा नेतृत्व अब खत्म होना चाहिए और देश को नया नेतृत्व मिलना चाहिए।

## भीषण हादसा : हाई-स्पीड ट्रेनों में हुई जबरदस्त टक्कर, 21 की मौत-70 घायल; 30 की हालत गंभीर

**मैड्रिड ( एजेंसी )।** स्पेन के दक्षिणी हिस्से में स्थित कॉर्डोबा शहर के पास एक दर्दनाक रेल हादसा हुआ, जिसमें दो हाई-स्पीड ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक कम से कम 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 70 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से 30 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलागा से मैड्रिड जा रही एक हाई-स्पीड ट्रेन, जिसमें कुल 317 यात्री सवार थे, कॉर्डोबा से लगभग 20 किलोमीटर दूर अदामुज इलाके के पास अज्ञात कारणों से पटरी से उतर गई।पटरी से उतरने के बाद यह ट्रेन पास की लाइन पर आ रही दूसरी हाई-स्पीड ट्रेन से टकरा गई, जो मैड्रिड से हुएल्वा की ओर जा रही थी। इस टक्कर से दूसरी ट्रेन के डिब्बे भी पटरी से उतर गए। मंत्री पुएंते ने इस हादसे को भयानक बताया और कहा कि मलागा-मैड्रिड ट्रेन के आखिरी दो डिब्बे सामने से आ रही ट्रेन के पहले दो डिब्बों से टकरा गए, जिससे दोनों ट्रेनों को भारी नुकसान हुआ।



घटना की खबर मिलते ही अंडालूसिया क्षेत्र की आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों ने भी मदद का हाथ बढ़ाया और मामूली रूप से घायल यात्रियों को पास के एक केंद्र तक पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। राहत और बचाव कार्य में स्पेन की सैन्य आपातकालीन इकाई को भी लगाया गया।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह देश के लिए बेहद दर्दनाक रात है। स्पेन के शाही परिवार ने भी शोक संदेश जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रभावित रेल मार्गों पर सेवाएं कम से कम मंगलवार तक बंद रहेंगी।

## भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाई

### केवल दो सप्ताह में 4.5 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन प्रदान किया

**प्रयागराज ( एजेंसी )।** भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान रेल यातायात का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया और 3 जनवरी 2026 से देशभर में 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाईं, जिससे श्रद्धालुओं की सुगम और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित हुई। उत्तरी रेलवे (एनआर) की 31, उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) की 158 और उत्तर पूर्वी रेलवे (एनईआर) की 55 रेलगाड़ियों द्वारा संचालित इन रेलगाड़ियां से लगभग 4.5 लाख यात्रियों ने यात्रा की। त्योहारों के दौरान परेशानी मुक्त और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सेवाओं की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई और उनका प्रबंधन किया गया।

प्रयागराज में 18 जनवरी को त्यौहार से जुड़ी सर्वाधिक भीड़-भाड़ रही, जिस दौरान 40 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं, जिनमें 11 एनआर (राष्ट्रीय रेलवे), 22 एनसीआर (राष्ट्रीय रेलवे) और 7 एनईआर (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) की रेलगाड़ियां शामिल थीं, जिनसे लगभग 1 लाख यात्रियों ने यात्रा की।

## भारत –यूएई रिश्तों को नई रफ्तार: पीएम मोदी–शेख नाहयान के बीच बैठक

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत के आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। जहां पीएम मोदी ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी ने अपने निवास लोक कल्याण मार्ग पर अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई मेमोरेंडम ऑफअंडरस्टैंडिंग (स्ब्वह्य) पर हस्ताक्षर किए गए और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।



विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई की उस पहल की सराहना की, जिसमें राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर के लिए ऐतिहासिक कलाकृतियां लोटल में प्रदान की जाएंगी। दोनों देशों ने ध्रुवीय विज्ञान, संयुक्त अभियान और संस्थागत सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

विक्रम मिस्री ने आगे कहा कि यूएई में लगभग 45 लाख भारतीय मूल के लोग रहते और काम करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद का इन भारतीय नागरिकों की भलाई और हितों की देखभाल के लिए धन्यवाद किया। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि बढ़ाने के प्रयासों का समर्थन किया।

### व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में भी बनी सहमति

मिस्री ने कहा कि व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी कई पहलें तेज करने पर सहमति बनी। इनमें भारत मार्ट, वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर और भारत-अफ्रीका एसईटीयू पहल शामिल हैं। यूएई की कंपनियों डीपी वर्ल्ड और फर्स्ट अबू धाबी बैंक को गिफ्ट सिटी, गुजरात में अपने कार्यालय और संचालन खोलने की अनुमति दी गई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों ने राष्ट्रीय भुगतान प्लेटफार्मों के इंटरकनेक्शन पर काम करने और व्यापार को बढ़ावा देने का निर्णय लिया।

बता दें कि इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने भारत-यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने कहा कि बीते एक दशक में भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। बैठक में दोनों नेताओं ने हाल के वर्षों में हुए उच्चस्तरीय दौरों का भी स्वागत किया। उन्होंने पिछले दो वर्षों में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और दुबई के क्राउन प्रिंस, यूएई के उप प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के भारत दौरे का उल्लेख किया। दोनों नेताओं ने कहा कि इन दौरों से भारत-यूएई संबंधों में पीढ़ीगत निरंतरता दिखाई देती है।

कोरबा के रविशंकर नगर जोन अंतर्गत वार्डो को मिली 03 करोड़ 20 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात

## उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

### कोरबा के रविशंकर नगर जोन अंतर्गत वार्डो को मिली 03 करोड़ 20 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात

**रायपुर( समय दर्शन )।** नगर पालिक निगम कोरबा के रविशंकर नगर जोन जोन के विभिन्न वार्डो को आज सोमवार को 03 करोड़ 20 लाख रूपये के नये विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में पृथक-पृथक स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य कर समयसीमा में इन कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।



नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 34 दादर रोड कलवर्ट से मानिकपुर मुक्तिधाम तक 01 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से कलवर्ट एवं नाला का निर्माण कराया जाना हैं। इसी प्रकार पं.रविशंकर शुक्ल जोनांतर्गत 06 शासकीय स्कूलों में 36 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण तथा 12 शासकीय स्कूलों में 60 लाख रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय का निर्माण भी किया जाना हैं। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 33 मानिकपुर डिपरापारा में 25 लाख रूपये की लागत से सड़का निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 26 अंतर्गत विनय सिंह घर से जैतखाभ के सामने तक एवं दादर मेन रोड से कुम्हार घर के पास कलवर्ट तक कृष्णानगर की आंतरिक गलियों का 15 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्य किया जाना हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने आज पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों में इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए उक्त महत्वपूर्ण विकास कार्यो की सौगात आमजन को प्रदान की गई।

### समग्र विकास के साथ विद्यालयों की दशा में हो रहा ऐतिहासिक सुधार

इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में हो रहे प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शिक्षा के मंदिर विद्यालयों की दशा में ऐतिहासिक रूप से सुधार लाया जा रहा है, विद्यालयों में शौचालयों के अभाव या जीर्ण-शीर्ण शौचालय होने के कारण छात्र-छात्राओं, अध्यापक-अध्यापिकाओं को काफी असुविधा होती थी, किन्तु विगत 02 वर्षो के दौरान इस दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं, विद्यालयों में सर्वसुविधायुक्त व स्वच्छ साफशौचालय की सुविधा, साइकिल स्टैण्ड, किचन शेड निर्माण, अतिरिक्त कमरों के निर्माण, जीर्ण-शीर्ण शालाओं का नवीनीकरण, नये भवनों का निर्माण, बाउण्ड्रीवाल निर्माण आदि के कार्य व्यापक स्तर पर किए जा रहे हैं। उन्होने आगे कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लगातार आशीर्वाद छत्तीसगढ़ राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु हमें प्राप्त हो रहा है, जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव के मार्गदर्शन व सहयोग से कोरबा में विकास हेतु राशि की कोई कमी नहीं हो रही है, इसी के परिणाम स्वरूप यहॉं की जनताजनार्दन की मांग व उनकी आवश्यकता के अनुरूप लगातार व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

एनडीआरएफ स्थापना दिवस

## बिना थके सेवा करते हैं हमारे जवान –पीएम मोदी

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) सोमवार को अपना 21वां स्थापना दिवस मना रही है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक संदेश साझा करते हुए बल के जवानों की बहादुरी और समर्पण की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ के जवान संकट के समय सबसे आगे रहकर जानें बचाते हैं, राहत प्रदान करते हैं और उम्मीद की किरण जगाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के स्थापना दिवस पर हम उन सभी पुरुषों और महिलाओं का दिल से आभार व्यक्त करते हैं, जिनका प्रोफेशनलिज्म और पक्का इरादा मुश्किल समय में सबसे आगे रहता है। जब भी कोई आपदा आती है, एनडीआरएफ के जवान हमेशा सबसे आगे रहते हैं और सबसे मुश्किल हालात में भी जान बचाने, राहत देने और उम्मीद जगाने के लिए बिना थके काम करते हैं। पीएम मोदी ने आगे लिखा, उनके हुनर और कर्तव्य की भावना सेवा के सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड की मिसाल हैं। पिछले कुछ सालों में एनडीआरएफ आपदा की तैयारी और बचाव



के मामले में एक मिसाल बनकर उभरी है और उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सम्मान हासिल किया है। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, एनडीआरएफ के स्थापना दिवस पर सभी कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मोदी सरकार के आपदा-प्रतिरोधी भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के जरिए, एनडीआरएफ आज देश के लिए भरोसे का स्तंभ बन गया है, जिस पर आपदाओं के समय देश भरोसा करता है। दूसरों की सुरक्षा के लिए खुद को कुर्बान करने वाले शहीदों को सलाम।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के स्थापना दिवस पर, हम एनडीआरएफ के जवानों की हिम्मत, प्रोफेशनलिज़्म और अटूट लगन को सलाम करते हैं।

# मेरी जैसी दुर्दशा किसी की न हो - कांकेर के जैनूलाल राना ने पत्र लिखकर जाहिर किया अपना दर्द

### पूर्व सेवा अवधि की गणना करें शासन, 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा पर 50 प्रतिशत पेंशन निर्धारण करने की मांग*

**कोरबा ( समय दर्शन )।** एल.बी. संवर्ग के शिक्षक सेवानिवृति के पश्चात सम्मानजनक जीवन के बजाय आर्थिक तंगी से जुझने को मजबूर हैं, शासन प्रशासन की जटिल प्रक्रियाओं एवं विसंगतिपूर्ण नीतियों ने उनकी वर्षों की सेवा को व्यर्थ बना दिया है। संविलियन के दौरान पूर्व की 20 वर्षों की सेवा अवधि को शून्य मान लिए जाने से बड़ी संख्या में शिक्षक पेंशन के अधिकार से बाहर हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी,प्रदेश संगठन मंत्री प्रमोद सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष मनोज चौबे, जिला सचिव नरेंद्र चंद्रा,जिला मिडिया प्रभारी प्रदीप जायसवाल,जिला कोषाध्यक्ष बुद्धेश्वर सोनवानी, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र नायक ने कहा कि संविलियन पूर्व की 20 वर्षों की सेवा शून्य किए जाने एवं संविलियन तिथि 1 जुलाई 2018 से सेवा अवधि की गणना किए



जाने से न्यूनतम पेंशन हेतु 10 वर्ष की पात्रता पूरी नहीं करने के कारण कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के श्री जैनुलाल राना व्याख्याता की अंतिम महीने में 92 हजार वेतन था अब जीरो पेंशन में रिटायर हुए है, यही स्थिति श्रीमती पारुल दोहरे प्रधान अध्यापक प्रा.शा, मलिना दास प्रधान अध्यापक प्रा.शा., महादेव नरेटी प्रधान अध्यापक प्रा.शा.पाड़ेंगा को 27 वर्षों की सेवा देने के बाद बगैर पेंशन रिटायरमेंट को मजबूर होना पड़ा है,,यही स्थिति कमोबेश सेवानिवृत हो रहे एल.बी. संवर्ग के प्रत्येक शिक्षक की है। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार पूर्ण पेंशन के लिए 33 वर्ष की सेवा तथा न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा पर अनुपातिक पेंशन का प्रावधान है लेकिन संविलियन तिथि 1 जुलाई 2018 से सेवा की गणना किए जाने के कारण 2018 से पहले नियुक्त शिक्षक न्यूनतम पात्रता को भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं, परिणामस्वरुप सेवानिवृत्ति के पश्चात शिक्षकों और उनके परिजनों को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से 1998 व 2005 से नियुक्त शिक्षकों के लिए पेंशन अब केवल एक सपना बनकर रह गई है।

## खबर-खास

### श्री रामदेव बाबा का माघ मेला आज से, जम्मा जागरण की मचेगी धूम



**दुर्ग ( समय दर्शन )।** श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका में 20 से 28 जनवरी तक श्री रामदेव बाबा के माघ मेला का आयोजन किया गया है। 8 दिवसीय माघ मेला में जम्मा जागरण एवं भजन कीर्तन की धूम मचेगी। देश और प्रदेश के प्रसिद्ध जम्मा जागरण एवं भजन गायक अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। जम्मा जागरण में श्रद्धालुओं को परचो का पुण्य लाभ मिलेगा। यह माघ मेला चालीसगांव (महाराष्ट्र) के संत गुरुदेव सोहनलाल बापजी के पुण्य प्रताप से भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य आयोजित किए गए हैं। माघ मेला के अंतिम दिन 28 जनवरी को सुबह 10:30 बजे

महाआरती एवं हवन पूजन किया जाएगा, तत्पश्चात महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। माघ मेला में देश व प्रदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटते हैं। जिसके चलते श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर द्वारा आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका के प्रमुख रमेश कुमार जैन और सुश्री पायल जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि दरबार में प्रतिवर्ष माघ मेला का आयोजन किया जाता है। माघ मेला में आयोजित जम्मा जागरण और भजन कीर्तन प्रतिदिन रात्रि 9:30 बजे से शुरू होंगे। माघ मेला के प्रथम दिन 20 जनवरी को भजन गायक गौरव बजाज दुर्ग द्वारा भव्य जम्मा जागरण एवं जन्मोत्सव की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा 21 जनवरी को भजन गायक गौरव मालू, बाड़मेर (राजस्थान), 22 जनवरी को सुश्री कोमल गोलछा फलौदी (राजस्थान), 23 जनवरी को श्रीमती कविता पंवार भाटी, पाली (राजस्थान), 24 जनवरी को राजू शर्मा, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), 25 जनवरी को हर्ष माली, बालोतरा (राजस्थान), 26 जनवरी को भव्य बरड़िया, धमतरी और 27 जनवरी को भजन गायक गौरव बजाज दुर्ग द्वारा जम्मा जागरण की प्रस्तुति दी जाएगी देंगे। उन्होंने श्री रामदेव बाबा के माघ मेला में शामिल होकर श्रद्धालुओं से पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

### सीडीबीई सचिन के पत्र ने पोल खोल दी एसडीएम की...

**रायपुर/बिलासपुर ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन पंजीकृत की सचिव श्रीमती शशि लता वाघे ने कलेक्टर रायपुर को एक पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के कुल 19 स्कूलों की खराब होती दशा पर जानकारी दी है। पत्र में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जिस एसडीएम तुलसी राठौर को चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी उन्होंने किस तरह चुनाव न करा कर निलंबित शिक्षकों और बर्खास्त प्रभारी प्राचार्य रूपिका लॉरेंस के बर्खास्तगी को खत्म करने दबाव डाला।

इसी तरह शाला फीस का पैसा लेकर गायब लेखपाल समीर कुमार जिसकी शिकायत सिविल लाइन थाना रायपुर में की गई है के हस्ताक्षर लाने पर ही वेतन दिया जा सकेगा का दबाव बनाया और इसी कारण शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों का वेतन नहीं मिला। पत्र में कहा गया है कि एसडीएम राठौर अपने दायित्वों एवं अधिकारों से परे जाकर शासन की छवि को धूमिल कर रहे हैं। समिति की सचिव ने इस दो पेज के पत्र में वह सब कुछ कह दिया जिससे पता चलता है कि अल्पसंख्यक मसीही समाज की शिक्षण संस्था को किस तरह से कोलेप्स किया जा रहा है।

### शहर के कचरा प्रबंधन में ऐतिहासिक पहल, ट्रामिल एवं इंसिनरेटर मशीन का शुभारंभ

**दुर्ग ( समय दर्शन )।** गर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में ठोस एवं सैनिटरी अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत धमधा नाका स्थित एस.एल.आर.एम. (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) सेंटर में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु स्थापित ट्रामिल मशीन एवं सैनिटरी अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान हेतु इंसिनरेटर मशीन का आज विधिवत शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा। पूजा-अर्चना के पश्चात मशीनों को चालू कर नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था को एक नई दिशा दी गई।

इस अवसर महापौर अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा,नरेंद्र बंजारे,शेखर चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल,ज्ञानेश्वर ताम्रकर,काशीराम कोसरे,पार्षद रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे, मनीष कोठारी, गुलशन साहू सहित स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कुणाल, राहुल के अलावा बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदी मौजूद रही। बता दे कि नगर निगम द्वारा स्थापित ट्रामिल मशीन के माध्यम से सूखे कचरे का शत-प्रतिशत पृथकीकरण कर उसका वैज्ञानिक निपटान किया जाएगा। इससे कचरे का आयतन कम होगा, परिवहन एवं भंडारण आसान होगा तथा पृथक किए गए कचरे का उपयोग कंपोस्ट निर्माण एवं पुनर्चक्रण के लिए किया जा सकेगा। इस ट्रामिल मशीन की कुल लागत लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपये है। वहीं, 02 नग इंसिनरेटर मशीनों के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन, डायपर, बायो-मेडिकल एवं अन्य संक्रमण फैलाने वाले अपशिष्ट का उच्च तापमान पर भस्मीकरण कर सुरक्षित निपटान किया जाएगा।

## कलेक्टर महोबे ने जनदर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की सुनी मांग एवं समस्याएं



**जांजगीर-चांपा ( समय दर्शन )।** कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज साप्ताहिक जनदर्शन के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को संवेदनशीलता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 101 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आज तहसील नवागढ़ के ग्राम गिद्धा निवासी श्रीमती दरसमती बाई द्वारा वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिलाने, तहसील मुख्यालय जांजगीर निवासी श्रीमती रूपा देवी द्वारा बीपीएल राशन कार्ड बनवाने, तहसील मुख्यालय चांपा निवासी श्री घनश्याम सराफद्वारा ट्राई साइकिल प्रदान करने, तहसील सारागांव के ग्राम चोरिया निवासी श्री फिरतु राम द्वारा खाता विभाजन करवाने, तहसील पामगढ़ अंतर्गत ग्राम डोंगाकोहरौद निवासी श्री परमानंद कश्यप द्वारा किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, तहसील नवागढ़ के ग्राम सेमरा के महामाई युवा समिति द्वारा बेजा कब्जा पर कार्रवाई करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

## राजमिस्त्री प्रशिक्षण से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

### प्रोजेक्ट उन्नति से आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम, 30 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित



**जांजगीर-चांपा ( समय दर्शन )।** कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत प्रोजेक्ट उन्नति के माध्यम से मनरेगा के हितग्राहियों को राजमिस्त्री कार्य का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी मजबूती एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करना है।

जनपद पंचायत अकलतरा की ग्राम पंचायत कटघरी में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), जांजगीर द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रारंभ होने से पूर्व हितग्राहियों की काउंसलिंग कर उनकी रुचि एवं योग्यता के आधार पर चयन किया गया। 6 जनवरी से प्रारंभ हुए 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 35 हितग्राही भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास निर्माण को गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। विशेष रूप से इस प्रशिक्षण में 28 महिला हितग्राही आगे बढ़कर राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षार्थियों को मनरेगा अंतर्गत 261 रुपए प्रति दिवस की दर से मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर द्वारा आवास निर्माण में प्रयुक्त सामग्री के उचित अनुपात, निर्माण कार्य की समय-सीमा, संरचनात्मक मजबूती, आवश्यक सावधानियों एवं अन्य तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ग्रामीण हितग्राहियों ने बताया कि इस पहल से उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो रही है। वे न केवल अपने आवासों का निर्माण बेहतर ढंग से कर सकेंगे, बल्कि अन्य ग्रामीणों को भी गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित आवास निर्माण के लिए प्रेरित करेंगे। यह कौशल प्रशिक्षण भविष्य में रोजगार के नए अवसर सृजित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षार्थी इस दौरान फील्ड में जाकर राज मिस्त्री का कार्य भी कर प्रशिक्षित हो रहें है। इस दौरान मास्टर ट्रेनर श्रीमती उर्मिला पैकरा, प्रभारी एडीईओ श्री बैजनाथ प्रसाद राठौर सहित प्रतिभागीगण उपस्थित थे।

## शिक्षकों का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन : जाकेश साहू सरकार पर बरसे, बोले-बात नहीं हुई तो स्कूलों में तालेबंदी



**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** प्रदेश के शिक्षक अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालयों में हजारों शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक फेडरेशन के बैनर तले एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस आंदोलन को छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ सहित एलबी संवर्ग के 10 से अधिक शिक्षक संगठनों ने खुला और निरूशर्त समर्थन दिया।

राजनांदगांव जिला मुख्यालय में आयोजित धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ (पंजीयन क्रमांक 122202595034) के प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू ने मंच से सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को शिक्षकों से सीधी बातचीत कर समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए, अन्यथा आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र होगा।

### चुनावी वादे पूरे नहीं हुए

जाकेश साहू ने कहा कि वर्ष के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में शिक्षकों से कई वादे किए थे। इन्हीं वादों के दम पर पार्टी को बड़ी जीत मिली और प्रदेश में सरकार बनी, लेकिन लगभग दो साल बीतने के बाद भी सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर नहीं हुई। न क्रमोन्नति वेतनमान मिला, न ही प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उल्टा टेट की अनिवार्यता और वीएसके (विद्या समीक्षा केंद्र) में ऑनलाइन उपस्थिति के नाम पर शिक्षकों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

### वीएसके ऐप पर भी सवाल

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बस्तर और सरगुजा संभाग सहित कई दूरस्थ इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या है। ऐसे में वीएसके ऐप पर ऑनलाइन अटेंडेंस कर पाना मुश्किल है। निजी मोबाइल के इस्तेमाल से डेटा लीक होने और बैंक खातों से धोखाधड़ी का खतरा भी बना हुआ है। जाकेश साहू ने आरोप लगाया कि जो कर्मचारी नेता शिक्षकों और कर्मचारियों की मांगों को सोशल मीडिया या मंच के माध्यम से उठाते हैं, उन्हें अधिकारी टारगेट कर रहे हैं। असामाजिक तत्वों की झूठी शिकायतों पर बिना जांच के निलंबन जैसी कार्रवाई की जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित है।

संगठन ने सहायक शिक्षक, नव पदोन्नत प्रधान पाठक और नवीन यूडीटी के वेतनमान में विसंगति को तत्काल दूर करने, क्रमोन्नति वेतनमान देने और प्रथम सेवा गणना के साथ पुरानी पेंशन सहित सभी लाभ देने की मांग दोहराई।

प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह आंदोलन केवल सांकेतिक और एक दिवसीय है। यदि इसके बाद भी सरकार ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया, तो सभी शिक्षक संगठन मिलकर अनिश्चितकालीन और व्यापक आंदोलन करेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

### दन्तेवाड़ा में शौर्य स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का पांचवां दिन

**दन्तेवाड़ा ( समय दर्शन )।** दन्तेवाड़ा अमर शहीदों की स्मृति में दन्तेवाड़ा पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत् शहीद हुये जवानों की स्मृति में शौर्य स्मृति क्रिकेट लीग का पांचवां दिन।

इस दौरान मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक गौरव राय( अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन( के गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर उप पुलिस अधीक्षक नसरूल्ला सिद्दकी, उप पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार ऊइके, उप पुलिस अधीक्षक गोविंद दीवान, रक्षित निरीक्षक-सुशील नौटियाल, सिटी कोतवाली निरीक्षक धनंजय सिन्हा, और बड़ी संख्या में खिलाडी/क्रिकेट प्रेमी व आम नागरिक मौजूद रहे।

टूर्नामेंट के पांचवें दिन का प्रथम मैच बस्तर फाइटर एवं भांसी ए के मध्य खेला गया जिसमें बस्तर फाइटर की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया, भांसी ए द्वारा 97 रनों का लक्ष्य दिया गया, बस्तर फाइटर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 5.5 ओवर में ही 100 रन बनाकर मैच को जीत गए, इस मैच के मेन ऑफ़ द मैच कुलदीप पोडियम रहे जिन्होंने 53 रन बनाये। प्रतियोगिता का दूसरा मैच फ़रसपाल बी एवं बचेली ए के मध्य खेला गया, जिसमें बचेली ए की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

### रामो विग्रहवान धर्म : गरियाबंद में चार दिन गूंजेगा रामकथा का स्वर,राज्यस्तरीय श्रीरामचरित मानसगान सम्मेलन 19 से 22 जनवरी तक




**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** धर्मनगरी गरियाबंद एक बार फिर रामभक्ति और मानस परंपरा के रंग में रंगने जा रही है।भगवान श्री भुतेश्वरनाथ महादेव,माँ शीतला एवं प्रभु श्रीरामचन्द्र जी की असीम कृपा से नगर में भव्य एवं दिव्य राज्यस्तरीय श्रीरामचरित मानसगान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।यह आयोजन 19 जनवरी से 22 जनवरी 2026 तक गांधी मैदान, गरियाबंद में संपन्न होगा। श्री रामराज युवा संगठन एवं समस्त नगरवासी गरियाबंद के तत्वावधान में आयोजित इस राज्यस्तरीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की ख्यातिप्राप्त मानस मण्डलियाँ संगीतमय रामकथा की प्रस्तुति देंगी। आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से सहपरिवार पधारकर इस पुण्य आयोजन में सहभागी बनने का आग्रह किया है। सम्मेलन का शुभारंभ 19 जनवरी 2026,सोमवार को बजे 12 मूर्ति स्थापना एवं पूजन दोपहर 2 बजे भव्य कलश यात्रा गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण किए, इसके पश्चात सायं 6 आरती के पश्चात् मानस मण्डलीयों की प्रस्तुति दिए।ज्ञात हो कि 20,21 एवं 22 जनवरी 2026 को प्रतिदिन सायं 7 बजे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे,जबकि प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संगीतमय मानसगान की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।पूरे नगर को जिस शुभ घड़ी का इंतज़ार था,वह अब आ चुकी है।आयोजन को लेकर समिति के सदस्य प्रतिदिन प्रातः प्रभात फेरी निकालकर घर-घर आमंत्रण पहुंचा रहे हैं। नगरवासियों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति में प्रकाश सोनी,अनुपम मालवीय दुर्गेश तिवारी,खीर सिंह यादव,आकाश तिवारी, शुभम भोसले,भानु प्रकाश सिंह राजपूत,मुरली सिन्हा,रोमी सिन्हा,अनुपम मालवीय,गोलू भट्ट, नवीन सिन्हा,आयुष सोनी,कुणाल देवांगन,प्रवीण सिन्हा,गजानन नागेश,मुकेश सोनी,राहुल साहू, रूपनारायण,सौरभ भुआर्य,निखिल विश्वकर्मा, विरेंद्र पात्र,वैभव सोनी,तेज नाथ,गगन सिन्हा,योगराज एवं भीम साहू है।

## जंगलबेड़ा सोलर प्लांट द्वारा बिना ग्रामसभा सहमति के प्लांट स्थापना

### तालाब/एनीकेट पाटने, सार्वजनिक रास्ता पर कब्जा, अवैध पेड़ कटाई सहित नियमों के खुला उल्लंघन पर कार्रवाई की मांग को लेकर विधायक चातुरी नंद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



**सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय ( समय दर्शन )।** विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जंगलबेड़ा में प्रस्तावित सोलर विद्युत परियोजना को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर कलेक्टर महासमुंद को विस्तृत पत्र प्रेषित कर परियोजना की उच्च स्तरीय जांच, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक, लीज निरस्तीकरण एवं दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। विधायक चातुरी नंद ने बताया कि मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड को छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 102.930 हेक्टेयर भूमि सोलर परियोजना हेतु लीज पर दी गई है, परंतु परियोजना का निर्माण ग्रामसभा की वैधानिक सहमति के बिना प्रारंभ कर दिया गया है, जो कानूनन अवैध है।

विधायक चातुरी नंद ने कलेक्टर महासमुंद को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा है कि विधानसभा में उनके द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में स्वयं माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यह स्वीकार किया है कि संबंधित संस्था को ग्रामसभा का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद स्थल पर निर्माण गतिविधियां प्रारंभ कर दी गई हैं, जो संविधान, पंचायत अधिनियम एवं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने स्डुद्बड्डुह्लद्धड्डु बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1997) के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि एवं प्राकृतिक संसाधनों पर ग्रामसभा का अधिकार सर्वोपरि है और उसकी सहमति के बिना कोई भी परियोजना वैध नहीं मानी जा सकती।

विधायक ने ज्ञापन में यह भी उल्लेखित है कि लीज डीड की कंडिका 9 तथा कलेक्टर महासमुंद के राजस्व आदेश (ई-कोर्ट प्रकरण वर्ष 2024-25) में स्पष्ट प्रावधान है कि बिना सक्षम अनुमति किसी भी वृक्ष की कटाई निषिद्ध है। इसके बावजूद परियोजना स्थल पर बड़े पैमाने पर अवैध वृक्ष कटाई की गई है, जिसकी पुष्टि तहसीलदार के जांच प्रतिवेदन में भी हुई है। यह कृत्य भारतीय वन अधिनियम 1927, वन (संरक्षण) अधिनियम 1980, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों का घोर उल्लंघन है, जो दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। विधायक चातुरी नंद ने आरोप लगाया कि प्लांट प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत की निस्तार भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है। इतना ही नहीं, तालाब एवं एनीकट को पाटकर परियोजना स्थापित की जा रही है तथा जंगलबेड़ाङ्कउड़ीसा सार्वजनिक मार्ग (अंतरराज्यीय संपर्क मार्ग) को भी बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग दो राज्यों को जोड़ने वाला वर्षों पुराना सार्वजनिक रास्ता है, जिसे बंद किया जाना जनहित के खिलाफहै। सुप्रीम कोर्ट के जगपाल सिंह बनाम पंजाब राज्य (2011) निर्णय में स्पष्ट निर्देश है कि तालाब, चारागाह, निस्तार भूमि एवं सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण अस्वीकार्य है और उसे तत्काल हटाया जाना चाहिए। विधायक चातुरी नंद ने कहा कि ग्राम जंगलबेड़ा ड्राई एरिया है, जहां पानी की गंभीर समस्या है। ऐसे क्षेत्र में तालाब एवं एनीकट को पाटना जल संरक्षण नीति, राज्य जल नीति तथा संविधान के अनुच्छेद 21 (स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार) का उल्लंघन है। विधायक चातुरी नंद ने बताया कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ग्रामीणों के साथ स्थल का निरीक्षण किया, जहां नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य होते पाया गया। विधायक की प्रमुख मांगें में पांच दिवस के भीतर उच्च स्तरीय जांच टीम गठित की जाए। जांच पूर्ण होने तक परियोजना के सभी कार्यों पर तत्काल रोक लगाई जाए। लीज शर्तों व कानूनों के उल्लंघन पर लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई हो। अवैध वृक्ष कटाई एवं अतिक्रमण पर दंडात्मक व आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएं।

तालाब, एनीकट व सार्वजनिक मार्ग को पूर्व स्थिति में बहाल कराया जाए। पर्यावरणीय क्षति का आकलन कर क्षतिपूर्ति वसूली की जाए। 27 जनवरी से आंदोलन की चेतावनी आदि शामिल है॥

### जिले में मोतियाबिंद से ग्रसित वरिष्ठ नागरिकों के चिन्हांकन हेतु 22 को शिविर आयोजित

**बालोद।** मोतियाबिंद मुक्त भारत के सफल क्रियान्वयन हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा मोतियाबिंद से ग्रसित वरिष्ठ नागरिकों के चिन्हांकन हेतु 22 जनवरी को शिविर का आयोजन किया गया है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री अजय गेडाम ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित 'अटल वयो अभ्युदय योजना' के अंतर्गत 'मोतियाबिंद मुक्त भारत' कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस योजना के तहत जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 22 जनवरी 2026 को मोतियाबिंद चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह शिविर 22 जनवरी को समाज कल्याण विभाग परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक आयोजित की जाएगी।

23 से 25 जनवरी तक नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन में तीन दिवसीय भव्य आयोजन

# रायपुर साहित्य उत्सव-2026: छत्तीसगढ़ की साहित्यिक चेतना का राष्ट्रीय उत्सव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से रायपुर साहित्य उत्सवङ्क2026 का भव्य आयोजन 23, 24 एवं 25 जनवरी 2026 को नवा रायपुर अटल नगर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में किया जा रहा है। तीन दिवसीय यह आयोजन साहित्य, संस्कृति और विचार विमर्श का एक सशक्त मंच बनेगा, जिसमें देश-प्रदेश के साहित्य प्रेमी, लेखक, विचारक और पाठक बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।

इस तीन दिवसीय साहित्य उत्सव में देश एवं प्रदेश के लगभग 120 ख्याति प्राप्त साहित्यकारों का आगमन होगा। आयोजन के दौरान कुल 42 साहित्यिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और बौद्धिक विषयों पर गहन विमर्श किया जाएगा।

साहित्य उत्सव के सत्रों में बौद्धिक विमर्श, भारतीय ज्ञान परम्परा, संविधान, सिनेमा और समाज, देश में नव जागरण, छत्तीसगढ़ में साहित्य, इतिहास के झरौखे में साहित्य, शैक्षणिक संस्थानों में भाषा और साहित्य का स्तर जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा, जो वर्तमान समय की बौद्धिक आवश्यकताओं को संबोधित करेंगे।

इसके अतिरिक्त नाट्य शास्त्र एवं कला परम्परा, साहित्य और राजनीति, समकालीन महिला लेखन, जनजातीय साहित्य, छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पर्यटन, पत्रकारिता और शासन जैसे विषयों पर भी विशद परिचर्चाएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही प्रकाशकों की चुनौतियां, डिजिटल युग में लेखन और पाठक जैसे समसामयिक विषय भी विमर्श के केंद्र में रहेंगे।

आयोजन की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं और प्रशासन द्वारा 21 जनवरी 2026 तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन स्थल पर मंच, पंडाल, तकनीकी व्यवस्थाएं, साज-

सज्जा और अन्य आवश्यक सुविधाएं तेजी से अंतिम रूप ले रही हैं।

साहित्य उत्सव का शुभारंभ 23 जनवरी 2026 को राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा वर्धा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

साहित्य उत्सव का समापन 25 जनवरी 2026 को होगा, जिसमें राज्य सरकार के मंत्रिगणों के साथ-साथ डॉ. सच्चिदानंद जोशी एवं डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी जैसी प्रतिष्ठित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विभूतियां विशेष रूप से शामिल होंगी।

साहित्य उत्सव के दौरान 23 जनवरी को सायंकाल 7 बजे से प्रख्यात साहित्यकार एवं रंगमंच कलाकार श्री मनोज जोशी द्वारा चर्चित 'चाणक्य' नाटक का विशेष मंचन किया जाएगा, जो आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा।

इसके साथ ही महाभारत धारावाहिक में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले श्री नीतीश भारद्वाज तथा सिनेमा जगत के जाने-माने निर्माता-निर्देशक श्री अनुराग बसु भी साहित्य उत्सव में सहभागिता करेंगे।

24 जनवरी 2026 को देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में विशेष काव्य-पाठ का आयोजन किया जाएगा।

साहित्यकारों की परिचर्चाओं एवं सत्रों के लिए आयोजन स्थल पर चार मंडप बनाए गए हैं। मुख्य मंडप का नामकरण ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित छत्तीसगढ़ के एकमात्र साहित्यकार स्व. श्री विनोद कुमार शुक्ल के नाम पर किया गया है। दूसरे मंडप का नामकरण पं. श्यामलाल चतुर्वेदी, तीसरे मंडप का नामकरण बस्तर के गौरव साहित्यकार लाला जगदलपुरी तथा चौथे मंडप का नामकरण साहित्यकार अनिरुद्ध नीरव के नाम पर किया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के वित्तीय नतीजे

आज आईडीबीआई बैंक ने वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा कर दी। वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में बैंक ने 1,935 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। बैंक ने 1,917 करोड़ रुपये का संचालन लाभ दर्ज किया। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एन.आई.एम) 3.52% रहा। वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के लिए जमा लागत 4.62% थी, जो वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में दर्ज 4.62% के बराबर है। सी.आर.ए.आर में साल-दर-साल 265 बीपीएस की बढ़ोत्तरी हुई और यह 24.63% रहा। वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के लिए एसेट्स पर रिटर्न (ROA) 1.83% है, जो वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 1.99% था। इक्विटी पर रिटर्न (ROE) 14.49% दर्ज हुआ। 31 दिसंबर, 2025 तक बैंक ने 0.18% का शुद्ध एनपीए अनुपात दर्ज किया। 31 दिसंबर, 2025 को बैंक का सकल एनपीए अनुपात 2.57% था, जो 31 दिसंबर, 2024 में दर्ज 3.57% से 100 बीपीएस कम है। 31 दिसंबर, 2025 तक बैंक ने 99.33% का प्रोविज़न कवरेज अनुपात दर्ज किया, जो 31 दिसंबर, 2024 को 99.47% था।

### क्रोमा की धमाकेदार गणतंत्र दिवस सेल शुरू: एप्पल और सैमसंग जैसे बड़े ब्रांड्स पर मिल रहे हैं आकर्षक ऑफर्स!

भारत के सबसे भरोसेमंद ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने अपनी बहुप्रतीक्षित गणतंत्र दिवस सेल की घोषणा की है। इस सेल में स्मार्टफोन, लैपटॉप, टेलीविजन, बड़े उपकरणों और ऑडियो उत्पादों पर शानदार डील्स और ऑफर्स उपलब्ध हैं। यह सेल अब सभी क्रोमा स्टोर्स पर लाइव है और 26 जनवरी तक जारी रहेगी। क्रोमा स्टोर्स पर खरीदारी करने वाले ग्राहक बैंक कैशबैक, एक्सचेंज बोनस, छात्रों के लिए विशेष मूल्य (स्पेशल स्टूडेंट प्राइज़िंग), और आसान ईएमआई विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं, जिससे यह साल की सबसे मूल्यवान इलेक्ट्रॉनिक्स सेल में से एक बन गई है। सभी कीमतें और ऑफ़र ब्रांड, मॉडल, स्टोर, दिन, शहर और उपलब्धता के आधार पर भिन्न हो सकते हैं, और लागू बैंक या फाइनेंस पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं। इसके अतिरिक्त, एचडीएफसी टाटा नेऊ कार्ड धारक चुनिंदा एप्पल उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं, जिससे इस सीज़न के ऑफ़र और भी आकर्षक हो गए हैं। स्मार्टफोन की दुनिया में इस बार एप्पल के डिवाइस पर सबसे बेहतरीन डिस्काउंट मिल रहे हैं। गणतंत्र दिवस के ऑफर्स के दौरान, 82,900 रुपये की कीमत वाला आईफोन 17 अब आप केवल 47,990 रुपये की प्रभावी कीमत पर खरीद सकते हैं।

### मानव स्वास्थ्य, पोषण और स्थिरता में पाम ऑयल की भूमिका पर कानपुर में सेमिनार का आयोजन

**रायपुर :** पोषण विज्ञान, खाद्य विनियमन, कार्डियोलॉजी और ऑयल टेक्नो लॉजी के प्रमुख विशेषज्ञों ने पाम ऑयल और मानव स्वास्थ्य, पोषण एवं स्थिरता में इसकी भूमिका पर विज्ञान-आधारित चर्चा का आह्वान किया। यह चर्चा हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर में आयोजित मानव स्वास्थ्य, पोषण और स्थिरता में पाम ऑयल की भूमिका: संतुलित सत्य विषय पर आधारित आधे दिन के सेमिनार के दौरान हुई। ऑयल टेक्नोमलॉजी विभाग, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी कानपुर और ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सेंट्रल जोन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सेमिनार में पोषण विज्ञान, चिकित्सा अनुसंधान, खाद्य विनियमन, स्थिरता और ऑयल टेक्नोनलॉजी के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया, ताकि पाम ऑयल से जुड़े पुराने मिथकों को दूर कर साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जा सके। यह सेमिनार दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में से एक पर सही और वैज्ञानिक चर्चा के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हुआ। पाम ऑयल सस्ता होने, इसे कई तरह से इस्तेमाल किए जा सकने और हर तरह के खाने व प्रोसेसिंग में भरोसेमंद होने की वजह से भारत की भोजन व्यवस्था का एक जरूरी हिस्सा है। इसकी लगातार उपलब्धता और बड़े स्तर पर इस्तेमाल देश में तेल की कमी को पूरा करने में मदद करता है, जिससे आम परिवारों, होटल-रेस्टोरेंट चलाने वालों और डिब्बाबंद खाना बनाने वाले उद्योगों को आसानी से तेल मिल जाता है और उनकी खाद्य सुरक्षा बनी रहती है। सेमिनार के दौरान साझा की गई वैज्ञानिक जानकारियों ने पता चला कि पाम ऑयल संतृप्त और असंतृप्त फैटी एसिड का एक संतुलित मिश्रण है, जो रोजमर्रा का खाना पकाने के लिए उपयुक्त है, खासतौर से जब इसे बैलेंस्डह डाइट के रूप में लिया जाए। इसकी उच्च ऑक्सीडेटिव स्थिरता इसे तेज आंच पर खाना पकाने की स्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की अनुमति देती है, जिससे अन्य वनस्पति तेलों की तुलना में भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने और हानिकारक यौगिकों के निर्माण को कम करने में मदद मिलती है। पाम ऑयल विटामिन ईटोकोट्रिएनोल्स का एक प्राकृतिक स्रोत भी है, जो अपने एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाने जाते हैं।चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि सेहत के लिए किसी एक तेल को पूरी तरह छोड़ देना ही काफी नहीं है। इसके बजाय, हम दिन भर में क्या और कैसा खाना खाते हैं, हमारी जीवनशैली कैसी है और हम चीजों का इस्तेमाल कितने संयम से करते हैं, ये बातें हमारी सेहत पर कहीं ज्यादा असर डालती हैं। यह विचार-विमर्श2021 में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए' नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्सा- ऑयल पाम' के उद्देश्यों के अनुरूप भी रहा, जिसका लक्ष्य घरेलू खाद्यतेल उत्पादन को मजबूत करना और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। सेमिनार के दौरान वक्ताओं ने एक फसल के रूप में ऑयल पाम की दक्षता पर प्रकाश डाला और बताया कि यह अन्य प्रमुख वनस्पति तेल फसलों की तुलना में प्रति हेक्टेयर अधिक उपज देता है। जब इसे जिम्मेदार खेती के तरीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थिरता के ढांचे का समर्थन मिलता है, तो ऑयल पाम की खेती ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। सेमिनार के महत्व के बारे में, हारकोर्ट

## मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जन-हितैषी पहल : 'मिशन कनेक्ट' से चौपाल तक पहुँचा प्रशासन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अंत्योदय और सुशासन की सोच को साकार करने के लिए सुकमा जिले में 'मिशन कनेक्ट' की शुरुआत की गई है। संभागायुक्त बस्तर श्री डोमन सिंह के निर्देशन और कलेक्टर के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म कर सरकारी सेवाओं को लोगों के घर-घर तक पहुँचाना है।

विगत दिनों मिशन कनेक्ट के तहत छिंदगढ़ विकासखंड की लगभग 60 पंचायतों में जिला स्तरीय अधिकारी पहुँचे। यह केवल निरीक्षण नहीं था, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं को समझकर मौके पर उनका समाधान करने की एक नई पहल थी। सुबह 10 बजे से ही अधिकारी स्कूलों, आंगनबाड़ियों, आश्रम-छात्रावासों, ग्राम पंचायतों और स्वास्थ्य केंद्रों में सक्रिय दिखाई दिए।

**गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान**

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मध्यान्ह भोजन और पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता की स्वयं जांच की। स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं की गंभीरता से जाँच की गई। ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई, ताकि सरकारी राशि का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।

अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएँ और सुझाव सुने, जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास और मजबूत हुआ।

निरीक्षण के बाद जनपद पंचायत छिंदगढ़ में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ ने सभी पंचायतों की रिपोर्ट का गहन विश्लेषण किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला स्तर की समस्याओं का समाधान तुरंत किया जाए, जबकि राज्य स्तर के विषयों को संबंधित विभागों को तत्काल भेजा जाए। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने बताया कि मिशन कनेक्ट का उद्देश्य केवल निरीक्षण करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। प्रशासन को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाना हमारी प्राथमिकता है। सुशासन की ओर मजबूत कदम 'मिशन कनेक्ट' ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि अब योजनाएँ सिर्फ कागजों पर नहीं रहेंगी, बल्कि वास्तव में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव लाएँगी। अधिकारियों की सक्रियता से क्षेत्र में लोगों में उत्साह और भरोसा बढ़ा है।

## राज्यपाल श्री डेका ने 'एक पेड़ मां के नाम' काव्य संग्रह का किया विमोचन

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अभियान से प्रेरित साझा काव्य संग्रह 'एक पेड़ मां के नाम' का विमोचन आज लोकभवन में किया।

इस काव्य संग्रह में देश भर के विभिन्न राज्यों के शिक्षकों, साहित्यकारों की रचनाओं को शामिल किया गया है जिसका संपादन शिक्षक श्री सागर कुमार शर्मा ने किया है। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक असंतुलन की चुनौतियों से जूझ रहा है ऐसे में साहित्य का यह स्वरूप लोगों को प्रेरित करता है कि वे प्रकृति से जुड़े, उसे समझें, और उसकी रक्षा करें। मां की तरह ही एक पेड़ भी हमें जीवन, छाया, ऑक्सीजन, फल, फूल, ईंधन और आश्रय सब कुछ नि:स्वार्थ देता है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि यह काव्य संग्रह पाठकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनने के लिए प्रेरित करेगा। विमोचन समारोह में राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक, पूर्व विधायक श्री संतोष उपाध्याय, वरिष्ठ साहित्यकार श्री मीर अली मीर सहित शिक्षक साहित्य परिषद छत्तीसगढ़ के सदस्य उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना से बदली कृषक बलदेव राजवाड़े की जिंदगी : सरसों की लहलहाती फसल से किसान खुशहाल

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए चल रहे प्रयास निरंतर प्रभावी परिणाम दे रहे हैं। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के कृषक बलदेव राजवाड़े भी इन प्रयासों से लाभान्वित होकर अपनी खेती में नई दिशा प्राप्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के अंतर्गत नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स (तिलहन) घटक से कृषक श्री बलदेव राजवाड़े को कृषि विभाग द्वारा सरसों बीज, सूक्ष्म पोषक तत्व खाद तथा कीटनाशक सामग्री अनुदान पर उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 1 हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती की, जिसकी फसल इस समय उत्कृष्ट स्थिति में है।

कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री मनीष कुमार गुप्ता ने समय-समय पर खेत का निरीक्षण करते हुए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे खेती की लागत कम रही और फसल विकास बेहतर हुआ।

कृषक श्री राजवाड़े के पास कुल 2.512 हेक्टेयर कृषि भूमि है। वे खरीफसीजन में धान की खेती करते थे, किंतु रबी सीजन में सिंचाई के अभाव में जमीन खाली रह जाती थी। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तिलहन फसल अपनाई और सफल परिणाम देखकर प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि सरसों की अच्छी फसल से खाद्य तेल के लिए बाजार पर निर्भरता कम होगी। बेहतर मूल्य मिलने पर आमदनी भी बढ़ेगी। मैं अन्य किसानों को भी तिलहन फसलों की खेती के लिए प्रेरित करना चाहता हूं, ताकि हम खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकें। यह उदाहरण दर्शाता है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और कृषि वैज्ञानिक मार्गदर्शन से किसान न केवल फसल विविधीकरण की ओर अग्रसर हो रहे हैं, बल्कि स्थायी आय एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

तेंदूपत्ता संग्राहकों में खुशियों की लहर

## छत्तीसगढ़ सरकार ने फिर शुरू की चरणपादुका योजना, 12.40 लाख वनवासियों को मिला लाभ

**रायपुर।** तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को सरकार द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिलती है, जिसमें संग्रहण लाभ का 80ञ हिस्सा, बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सहायता, बीमा कवर (दुर्घटना मृत्यु या विकलांगता पर), और विभिन्न वनोपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य शामिल हैं, जिससे उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार होता है द्य छत्तीसगढ़ में 5500 सौ रुपए प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक और राजमोहिनी देवी योजना के तहत लाभ दिए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने वनवासियों और तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए चरणपादुका योजना को पुन: शुरू किया है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बंद की गई यह जनहितैषी योजना अब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उनकी संवेदनशीलता के कारण फिर से शुरू की गई है। यह निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की फगारंटीफ के अनुरूप

गरीब हितैषी शासन की स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में वन विभाग ने इस योजना को तेज गति और पारदर्शिता के साथ धरातल पर लागू किया है।

### 12.40 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को लाभ

वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 12.40 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिला मुखिया को उच्च गुणवत्ता वाली चरणपादुकाएं प्रदान की गईं। इसके लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपये व्यय किए। इस कदम से जंगलों में कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा दोनों मिली हैं।

### वर्ष 2026 में पुरुष संग्राहकों को भी मिलेगा लाभ

वन मंत्री श्री कश्यप के विशेष प्रयासों से सरकार ने इस योजना का विस्तार करते हुए वर्ष 2026 में पुरुष संग्राहकों को भी चरणपादुका प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। यह निर्णय संग्राहक परिवारों के लिए ऐतिहासिक और लाभकारी सिद्ध होगा।

### पारदर्शी प्रक्रिया — खरीदी जेम पोर्टल से

सरकार ने चरणपादुकाओं की खरीदी जेम पोर्टल के माध्यम से की है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त रहे। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को वितरित की जा रही चरणपादुकाएं उच्च गुणवत्ता पूर्ण हैं और उन पर एक वर्ष की वारंटी भी दी जा रही है। यह सरकार की गुणवत्ता और लाभार्थी हितों के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। वनांचल क्षेत्रों में उमंग, सुरक्षा और सम्मान की भावना मजबूत मुख्यमंत्री श्री साय और वन मंत्री श्री कश्यप के इस निर्णय से वनांचल क्षेत्रों में खुशी और उत्साह का माहौल है। चरणपादुका योजना सीधे उन मेहनतकश तेंदूपत्ता संग्राहकों तक राहत पहुँचा रही है, जो कठिन परिस्थितियों में जंगलों में कार्य करते हैं और अपनी आजीविका जुटाते हैं।

यह योजना न केवल सुरक्षा और सुविधा प्रदान कर रही है, बल्कि वनवासियों को सम्मान और आत्मविश्वास भी दे रही है जो सुशासन और अंत्योदय की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बन गई है।

# संपादकीय

## संवैधानिक व्यवस्था दायरे में नहीं

कोलकाता की घटना संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। आखिर इस तरह की नौबत क्यों आई? कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे का मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सड़क पर उतर कर किया। ऐसा शायद पहली बार हुआ, जब एक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के बीच किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह का दखल दिया हो। उस घटना के बाद से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने इसको लेकर एक बड़ा राजनीतिक अभियान छेड़ रखा है। उधर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट की पनाह ली है। ईडी का इल्जाम है कि आई-पैक एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों ने हवाला के जरिए अवैध रूप से धन का लेन-देन किया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चूंकि आई-पैक को उसने अपने विधानसभा चुनाव अभियान के प्रबंधन का ठेका दिया है और इसलिए उसके पास पार्टी की रणनीति संबंधी आंकड़े हैं, तो उन्हें ही चुराने ईडी वहां गई थी। तृणमूल की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने दस्तावेजों की चोरी का केस दर्ज किया है। उसने उन ईडी तथा केंद्रीय शस्त्र बल के कर्मियों की पहचान शुरू कर दी है, जो आई-पैक के दफ्तर पर गए। तो इस रूप में ये मामला केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव में तब्दील हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने अपनी शिकायत को बयानों या कानूनी चुनौती तक सीमित नहीं रखा। उसकी नेता एवं मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से ईडी के छापे में रुकावट डाली। यह घटना देश के संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। यह गंभीर विचार-विमर्श का विषय है कि ये नौबत क्यों आई? साफ वजह राजनीतिक वर्ग में आपसी भरोसे का टूट जाना है। विपक्षी खेमों में आम धारणा है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्ताधारी भाजपा के सियासी मकसद को साधने का औजार बन गई हैं। इस दौर में कानूनों की व्याख्या के क्रम में न्यायपालिका ने भी राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी कर तकनीकी नजरिया अपना रखा है। ऐसे में तृणमूल को सड़क पर मुकाबला करना मुफीद महसूस हुआ होगा। लेकिन लोकतंत्र एवं संघीय व्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है।

## चीनी दल भाजपा-आरएसएस से मिला, कांग्रेस सह नहीं पाई

**सुनील दास**

विश्व राजनीति में आपसी संवाद,आपसी समझ बढ़ाने के लिए, एक दूसरे के दल व उनकी कार्यशैली को जानने, समझने, उनकी विचारधारा क्या है,उनका लक्ष्य क्या है, यह सब जानने के लिए एक देश का प्रतिनिधिमंडल दूसरे देश जाता है,दूसरे देश का प्रतिनिधिमंडल उस देश में आता है। आपस में मिलने जुलने से, बात करने से एक दूसरे को समझने में आसानी होती है। जो दूरी रहती है, वह कम होती है। इससे दो देशों के संबंध सुधरते हैं, उनके कई स्तरों पर संबंध मजबूत होते हैं। नीति नियम बनाने में सुविधा होती है, अल्पकालिक व दीर्घकालिक नीति बनाना आसान होता है। यही वजह है कि भारत में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल आते रहते हैं और भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी दूसरे देश जाता रहता है। यह दो देशों के बीच एक सामान्य प्रक्रिया है। इस सप्ताह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी(सीपीसी) प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिल्ली में भाजपा नेतृत्व से मुलाकात की बात की। इसके बाद मंगलवार को चीनी प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली स्थित मुख्यालय में आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की तो इस मुलाकात पर कांग्रेस की जो प्रतिक्रिया आई है उससे साफहो जाता है कि कांग्रेस को यह सहन नहीं हो रहा है कि चीनी प्रतिनिधिमंडल भाजपा से कैसे मिल सकता है.चीनी प्रतिनिधिमंडल आरएसएस नेताओं से कैसे मिल सकता है, दोनों विचारधारा के स्तर पर एक दूसरे के उलट हैं। भाजपा वाले वामपंथियों के पसंद नही करते हैं,इसी तरह वामपंथी दक्षिणपंथी भाजपा को पसंद नहीं करते हैं। चीन के साथ एमओयू करने वाली कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका है कि यह क्या हो रहा है, जो हो नही सकता, कैसे हो रहा है। चीन ने एमओयू कांग्रेस से किया है और उसके दल के नेता भाजपा से नजदीकी बढ़ा रहे हैं, संवाद कर रहे हैं। कांग्रेस चीनी प्रतिनिधिमंडल व भाजपा,आरएसएस नेताओं के आपस में मुलाकात करने को यूं पेश कर रही है कि जैसे यह संभव नहीं था और संभव हुआ है तो देश के खिलाफ कोई साजिश है। चीनी प्रतिनिधिमंडल के भारत आने व यहां सत्तारूढ़ दल उससे संबंधित दलों से मिलने के पीछे की सच्चाई कांग्रेस बखूबी जानती है लेकिन वह जानबूझकर देश के लोगों को बता नहीं रही है कि यह जो चीनी प्रतिनिधिमंडल भारत आया है और यहां भाजपा व आरएसएस नेताओं से मिल रहा है तो उसके मूल में वह समझौता है जो कांग्रेस के शासन समय 1986 में किया गया था और तब राजीव गांधी पीएम थे। इस समझौते के तहत एक बार चीनी प्रतिनिधिमंडल भारत आएगा तो बदले में एक बार भारत का प्रतिनिधिमंडल चीन जाएगा। राजीव गांधी के समय हुए समझौते के तहत ही चीनी प्रतिनिधिमंडल भारत आया हुआ है और वही काम कर रहा है जो कांग्रेस के समय किया करता था। इस तरह के 12 प्रतिनिधिमंडल अब तक भारत आ चुके हैं और भारत से भी चीन जा चुके हैं। कांग्रेस को चीनी प्रतिनिधिमंडल की भाजपा व आरएसएस नेताओं से मुलाकात से खूब मिर्ची लगी है। इसका पता कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के बयान से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि यह भाजपा का चीन के सामने आत्मसमर्पण है।चीन के साथ अपने व्यवहार से मोदी सरकार के पाखंड ने भारत की विदेश नीति को उलझा दिया है।उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के लाख आंख के दावे सीपीसी की लाल सलाम में बदल गए हैं।असली सवाल तो यह है कि चीनी दल के लोगों व के बैठकों में बात क्या हुई है।आरएसएस के अनुसार चीनी प्रतिनिधिमंडल आरएसएस के संगठन व उसके कामकाज के बारे में जानने के लिए उत्सुक था।हमने उन्हें अपने सौ साल के सफर,समाज में अपने काम अपने दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बताया है। यह शिष्टाचार बैठक थी, बैठक का कोई तय एजेंडा नहीं था। सीसीपी प्रतिनिधियों का संघ मुख्यालय तक आने को दोनों देशों के बीच निकटता बढ़ाने का संकेत माना जा रहा है।

# अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच के विरुद्ध बन रहे नए समीकरण

**प्रह्लाद सबनानी**

अमेरिकी ट्रम्प प्रशासन द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति श्री निकोलस मदुरो को रात्रि के समय में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाया जाना एवं वेनेजुएला के तेल भंडार पर अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका का कब्जा स्थापित करने का प्रयास करना, अमेरिका की साम्राज्यवादी सोच को ही दर्शाता है। साथ ही, इसी क्रम में डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। सोचनीय विषय है कि डेनमार्क नाटो का सदस्य देश होने के चलते वह अमेरिका का मित्र राष्ट्र है और मित्र राष्ट्र की सीमाओं में घुसकर उसके आधिपत्य वाले क्षेत्र को अमेरिका द्वारा बलपूर्वक अपने देश की सीमा में शामिल करने का प्रयास करना उचित कदम नहीं कहा जा सकता है। कुछ समय पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कनाडा के राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अमेरिका कनाडा को अपना 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। ध्यान रहे कनाडा भी अमेरिका के मित्र राष्ट्र के देशों की सूची में शामिल है। परंतु, जब अमेरिका जैसा देश साम्राज्यवादी सोच के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तो मित्र राष्ट्र का ध्यान भी नहीं रह पाता है।

अमेरिका द्वारा हाल ही में ब्रिक्स के सदस्य देशों (भारत, रूस, चीन एवं ब्राजील) पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी देना केवल अमेरिका की व्यापार नीति नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की सीधी कोशिश है। 500 प्रतिशत का यह टैरिफ रूस, चीन, ब्राजील और भारत पर नहीं बल्कि ब्रिक्स के सदस्य देशों द्वारा डीडोलराईजेशन की ओर अपने कदम बढ़ाने को रोकने का एक प्रयास है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में किए जाने वाले विदेश व्यापार का एक दूसरे को भुगतान अब स्थानीय मुद्रा में करते दिखाई दे रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा हैं। ब्रिक्स की मुद्रा व्यवस्था, स्थानीय मुद्रा व्यापार सम्बंध एवं डॉलर मुक्त भुगतान व्यवस्था अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही है। इसीलिए अमेरिका छोटे देशों की तरह ही बड़े देशों को भी अनुशासित करना चाहता है। परंतु, यहां अमेरिका यह भूल जाता है कि वेनेजुएला, डेनमार्क, क्यूबा, मेक्सिको आदि छोटे देश हैं जो अपनी जरूरतों के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं परंतु भारत, चीन, रूस एवं ब्राजील जैसे बड़े देशों पर अमेरिका का दबाव काम नहीं कर पाएगा। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान विदेश नीति को 20वीं सदी की हस्तक्षेपवाद.2 की नीति कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने विश्व के अन्य देशों में 400 बार हस्तक्षेप किया है। अमेरिका के लिए यह एक पैटर्न है आश्चर्य में डालने वाली घटना नहीं है। अमेरिका ने पूर्व में भी आर्थिक दबाव डालकर एवं सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से अन्य देशों में सत्ता परिवर्तन कराने में भी सफलता हासिल की है। और, यह पैटर्न आज भी जारी है। अमेरिका भारत एवं चीन पर केवल इस कारण से भी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहता है क्योंकि ये देश रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल आयात करते हैं। आज के इस युग में अब अमेरिका निर्णय लेगा कि किस देश को कच्चा तेल किस देश से खरीदना है। यह साम्राज्यवाद अथवा अधिनायकवाद की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है?

इसी प्रकार, ट्रम्प प्रशासन द्वारा विश्व के 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अमेरिका की सदस्यता को समाप्त करना भी वैश्विक व्यवस्था का पुनर्निर्माण नहीं बल्कि अमेरिका का विश्व में एक छत्र राज्य स्थापित करने की सोच का नतीजा हो सकता है। अमेरिका किसी भी अन्य ब्लाक अथवा देश के साथ मिलकर विश्व पर अपना प्रभुत्व स्थापित नहीं करना चाहता है बल्कि अमेरिका केवल अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। इस रणनीति के अंतर्गत वैश्विक संगठनों एवं संस्थाओं को कमजोर करने के एकपक्षीय अमेरिकी शक्ति मॉडल को लागू करना ही मुख्य लक्ष्य हो सकता है। आज अमरीका में ट्रम्प प्रशासन इससे भी परेशान है कि आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिमी देशों से पूर्वी देशों की ओर खिसकता जा रहा है। इससे ट्रम्प को पूरे विश्व में अमेरिका का आधिपत्य स्थापित करने की रणनीति को धक्का लगता हुआ दिखाई दे रहा है। संख्या, जनसंख्या, संसाधन एवं बाजार के आधार पर आगे आने वाला भविष्य पूर्व के आस पास दिखाई देता है, अमेरिका वैश्विक स्तर पर अपने प्रभुत्व को किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहता है। अमेरिका आज नहीं चाहता कि चीन, रूस एवं भारत मिलकर विश्व में शक्ति की एक धुरी बनें। साथ ही, ट्रम्प यह भी नहीं चाहता कि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी रणनीतिक स्वायतत्ता बढ़ाने में सफल हो तथा डीडोलराईजेशन की व्यवस्था गति पकड़े और यूरोपीय यूनियन के देश अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए। यूरोपीय यूनियन के देशों पर अमेरिका अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। परंतु, अब तो यूरोपीय यूनियन के देश भी अपने सुरक्षा बजट में अतुलनीय वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिका पर इन देशों का विश्वास कम हो गया है। ट्रम्प चूंकि बहुध्रुवीय व्यवस्था में विश्वास नहीं करते है और यह व्यवस्था उनके लिए असहनीय है अत: ट्रम्प समस्त देशों पर टैरिफ युद्ध छेड़कर उन्हें दबाव में लाना चाहते है ताकि अमेरिका पूरे विश्व में अपना एक छत्र राज्य स्थापित कर सके। इसीलिए ट्रम्प आज पूरे विश्व में नियंत्रित अशांति चाहता है। दरअसल, आज अमेरिका की आक्रामक साम्राज्यवादी टैरिफ नीति भी वैश्विक अस्थिरता की सबसे बड़ी जड़ के रूप में उभर रही है।

इसी क्रम में, अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्यवाही कर ग्रीनलैंड पर अपना आधिपत्य स्थापित करने की कार्यवाही नाटो जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान को तोड़ सकती है। नाटो के सदस्य देशों ने स्पष्ट रूप से कहा भी है कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर हमला नाटो के सदस्य देशों पर किया गया हमला माना जाएगा। इससे यूरोपीयन देशों एवं अमेरिका के बीच दुर्लभ एवं खतरनाक तनाव दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर वर्तमान में उभर रही परिस्थितियों को सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है। इस सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध में कच्चे तेल की उपलब्धता पर अपना नियंत्रण बनाए रखना, डॉलर पर अमेरिकी प्रभाव को बनाए रखने के प्रयास ताकि वैश्विक स्तर पर अमेरिका का मुद्रा पर नियंत्रण लगातार आगे भी बना रहे, समुद्री मार्गों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना, तकनीकी सम्पदा को अपने कब्जे में रखना, वैश्विक सप्लाई चैन को प्रभावित करना एवं आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स आदि के माध्यम से ट्रम्प अन्य देशों पर दबाव बनाकर उन्हें अपने प्रभाव में लेने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसलिए आज प्रत्यक्ष युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संरचना को पुनर्गठित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस रचना में ट्रम्प अपने आप को वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। वास्तव में अमेरिका चाहता है कि दुनिया फिर से उसी मोड में लौट आए, जहां वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक सब उसकी चौखट पर खड़े हों। आज अमेरिका का लक्ष्य सम्भवत: तीसरा विश्व युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक व्यवस्था को अमेरिका के प्रभुत्व में पुनर्गठित करना है। अमेरिका का 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने आप को अलग करने के क्रम में अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस से बाहर निकलना पूरे विश्व को स्पष्ट संदेश देता है कि अमेरिका की अब पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले सुधार कार्यक्रमों में भी कोई दिलचस्पी नहीं है तथा वह इस अलायंस को दी जाने वाली अमेरिकी मदद को रोकना चाहता है और वैश्विक स्तर पर केवल अपने प्रभाव को बढ़ाने में ही अपनी पूरी शक्ति लगाना चाहता है। विश्व के भले की बात भी अब अमेरिका को नागवार गुजर रही है। जबकि आज जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक संकट को कम करने अथवा दूर करने में समस्त देशों का आपसी सहयोग अति आवश्यक है। भारत एवं फ्रान्स के संयुक्त नेतृत्व में बनाया गया यह मंच विकासशील देशों के लिए उम्मीद की किरण बन रहा है। विश्व के अन्य देशों में यह भावना विकसित हो रही है कि आज वैश्विक स्तर पर एक ऐसी दुनिया विकसित होती दिखाई दे रही है जिसमें अमेरिका अकेला खड़ा हो एवं विश्व के अन्य समस्त देश आपस में तालमेल रखते हुए अपने विकास को गति दें। वैसे भी, विश्व पहिले से ही इस मुहाने पर आकार खड़ा है जहां अकेले चलना बहुत मुश्किल है हर पग पर विभिन्न देशों को अन्य देशों के सहायता की अति आवश्यकता है। एक दूसरे के सहयोग के बिना सम्भवत: कोई भी देश आज आर्थिक विकास के पथ पर अपनी दौड़ को गति प्रदान नहीं कर पाएगा। इसीलिए वैश्विक स्तर पर आज नए नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका को छोड़कर ये देश आपस में मुक्त व्यापार समझौते तेजी से सम्पन्न कर रहे हैं ताकि ये, अपने देश के आर्थिक विकास की गति को तेज कर सकें।

# अमेरिकी व्यवस्था का कोई तोड़ नहीं

**हरिशंकर व्यास**

यह तारीफ़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि-ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025ङ्क26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेजुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है। भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म-जन्मांतर या मोक्ष-मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने-टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ-पांव मारते हैं। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के डोनरो डॉक्ट्रिन के शक्ति-सूत्र में था। वेनेजुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद-काठी, भाव-भंगिमा, बड़बोलेपन से बार-बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा-भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए? अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1ङ्क2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ। सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है; तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वैयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है। ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास-बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य-वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक-बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी!

# नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप

**पीयूष गोयल**

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है।

भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। आज उद्यमिता एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुकी है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और विकास व रोजगार सृजन का नया इंजन बन रही है।

यह परिवर्तन रातोंरात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे।

16 जनवरी 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप इंडिया ने लंबा सफर तय किया है। स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आईटी सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। यह व्यापकता विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और मजबूती को दर्शाती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नवाचार और एआई- पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव नवाचार और गहन तकनीक पर बढ़ते ध्यान के रूप में देखा गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुँच गई है, और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल के आधार पर एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है, तथा इंडिया एआई मिशन और रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। बौद्धिक संपदा के निर्माण में तेज़ वृद्धि इस प्रवृत्ति को और मजबूत करती है। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

अखिल भारतीय विकास- उद्यमिता को देशभर में मिल रहा समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 में केवल चार राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो संस्थागत समर्थन की मजबूती और जमीनी स्तर की भागीदारी को दर्शाता है।

अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है।

समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मेट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

लोकल से ग्लोबल- जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाज़ार बनती जा रही है। वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए स्टार्टअप इंडिया ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाई हैं। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इज़राइल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाज़ार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, न्यूज़ीलैंड और इज़राइल की मेरी हालिया यात्राओं में स्टार्टअप्स भारत के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का अहम हिस्सा रहे। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, साथ ही हमारे उद्यमियों को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार और व्यापारिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।

सुधार और बाज़ार तक पहुंच- इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी सुधारना एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले दस वर्षों में से किसी भी तीन लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं। अब तक 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स को इसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र मिल चुके हैं।

60 से अधिक नियामकीय सुधारों के माध्यम से अनुपालन का बोझ कम किया गया है, पूंजी जुटाने को आसान बनाया गया है और घरेलू संस्थागत निवेश को मजबूत किया गया है। एंजेल टैक्स को समाप्त करने और वैकल्पिक निवेश कोषों (एटीएफ) के लिए दीर्घकालिक पूंजी के रास्ते खोलने से स्टार्टअप फंडिंग का पारिस्थितिकी तंत्र और सशक्त हुआ है। बाज़ार तक पहुंच को प्राथमिकता दी गई है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जैम) के माध्यम से 35,700 से अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ा गया है, जिन्हें 51,200 करोड़ से अधिक मूल्य के पांच लाख से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। इन प्रयासों के साथ मजबूत वित्तीय सहयोग भी दिया गया है। स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना के तहत वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए 25,500 करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे 1,300 से अधिक उद्यमों को लाभ मिला है। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के अंतर्गत 800 करोड़ से अधिक के बिना जमानत ऋण की गारंटी दी गई है। 945 करोड़ के परिव्यय वाली स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत स्टार्टअप्स को कॉन्सेप्ट की जाँच, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाज़ार में प्रवेश और व्यवसायीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

सांस्कृतिक बदलाव- भारतीय स्टार्टअप्स ने देश में एक बड़ा सांस्कृतिक परिवर्तन लाया है। पहले बच्चों को मुख्य रूप से सरकारी नौकरी, इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे कुछ ही क्षेत्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। आज कई युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का सपना देख रहे हैं, और उनके परिवार भी उद्यमशील आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं। अंतत: भारत की स्टार्टअप यात्रा- हमारे युवा उद्यमियों पर विश्वास, नीति-आधारित विकास और दुनिया के लिए नवाचार करने की भारत की क्षमता की कहानी है। 2047 तक एक विकसित देश बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, स्टार्टअप्स समृद्ध, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते रहेंगे।

**(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)**

# कल्पवास एक कठोर आध्यात्मिक तपस्या

**कल्पवास एक कठोर आध्यात्मिक तपस्या है, जो माघ महीने में संगम तट पर की जाती है, जिसके मुख्य नियमों में दिन में तीन बार स्नान, एक समय सात्विक भोजन, ब्रह्मचर्य, भूमि पर शयन, असत्य व हिंसा से दूर रहना और सत्संग व भजन-कीर्तन में समय बिताना शामिल है; स्नान पर्व पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघ पूर्णिमा तक चलता है, और इन 21 नियमों का पालन आत्म-शुद्धि और मोक्ष के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।**

## कल्पवास का महत्व

कल्पवास का महत्व पुराणों में भी बताया गया है। पुराणों के मुताबिक एक कल्पवास का फल उतना ही मिलता है, जितना सौ साल तक बिना अन्न ग्रहण किए तपस्या करने का फल मिलता है। महाभारत और मत्स्यपुराण में भी कल्पवास का उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि जो लोग तप और भक्ति के साथ कल्पवास करते हैं, वे न केवल पापमुक्त होते हैं, बल्कि स्वर्ग में स्थान पाते हैं। पौराणिक कथा के मुताबिक देवी-देवता भी प्रयाग में कल्पवास के लिए मनुष्य के रूप में जन्म लेने की इच्छा रखते हैं।

## कल्पवास के मुख्य नियम

स्नान : ब्रह्म मुहूर्त, दोपहर और शाम, कुल तीन बार पवित्र नदी (जैसे गंगा) में स्नान।
भोजन : दिन में केवल एक बार, स्वयं बनाया हुआ, सात्विक और अल्पाहार।
आचरण : असत्य, हिंसा, परनिंदा, व्यसन (शराब, तंबाकू), क्रोध, मोह, लोभ से दूर रहना।
शयन : जमीन पर सोना।
ब्रह्मचर्य : मन, वचन, कर्म से ब्रह्मचर्य का पालन करना।
संयम : इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रखना।
अनुष्ठान : त्रिकाल संध्या, हवन, जप, कीर्तन, धार्मिक ग्रंथों का पाठ।
दान : साधु-संतों को भोजन कराना और यथाशक्ति दान करना।
परहेज : घर-गृहस्थी की चिंता से मुक्त रहना और मेला क्षेत्र न छोड़ना।
तुलसी व जौ : तुलसी का बिरवा लगाना और जौ बोकर सेवा करना।

स्नान पर्व (माघ मेला)

अवधि : पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा (लगभग एक माह) तक।
महत्वपूर्ण तिथियाँ : पौष पूर्णिमा (आरंभ), मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, वसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा (समापन)।
समापन : माघ पूर्णिमा पर संगम स्नान और कल्पवास की पूर्णाहुति होती है, जिसमें दान-दक्षिणा और हवन-पूजन का विधान है।

कल्पवास का उद्देश्य

आत्म-शुद्धि : आंतरिक शुद्धि और आध्यात्मिक विकास।
मोक्ष प्राप्ति : जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति।
संकल्प सिद्धि : सभी मनोकामनाओं की पूर्ति

# किचन में सिंक किस दिशा में लगाएं ?

**वास्तु शास्त्र में किचन को घर का सबसे अहम हिस्सा माना गया है। यही वह जगह है जहां भोजन बनता है और भोजन का सीधा असर परिवार की सेहत, सोच और ऊर्जा पर पड़ता है। ऐसे में अगर किचन का वास्तु सही नहीं होता, तो घर में तनाव, बीमारी और आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में कई बार लोग किचन में सिंक गलत जगह पर लगा देते हैं। सिंक किचन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां सब्जियां धोने से लेकर बर्तनों की सफाई तक सभी काम करते हैं। चलिए जानते हैं कि किचन में सिंक किस दिशा में लगाना चाहिए?**

### सही दिशा

वास्तु के मुताबिक किचन के सिंक की सही दिशा जीवन में सुख समृद्धि ला सकती है। लेकिन कुछ गलतियां वास्तु दोष को बढ़ावा दे सकती हैं। ऐसे में किचन सिंक को हमेशा ईशान कोण में ही रखना चाहिए। इस दिशा में किचन सिंक घर की समृद्धि के लिए अच्छा माना जाता है। ध्यान रखें कि किचन सिंक का मुख उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। हमेशा सिंक ऐसी दिशा में होना चाहिए कि जब आप इसमें बर्तन धोएं तब आपका मुंह उत्तर दिशा की ओर हो।

### गलत दिशा

वास्तु के मुताबिक कभी भी किचन सिंक को घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं रखना चाहिए। ऐसा सिंक घर के लोगों के बीच झगड़े का कारण बन सकता है। साथ ही आर्थिक तंगी बढ़ जाती है।

### गैस चूल्हे के पास ना हो सिंक

वास्तु अनुसार गैस चूल्हा और सिंक कभी आसपास नहीं होना चाहिए। इससे परिवार की खुशियों पर बुरा असर पड़ता है क्योंकि चूल्हा अग्नि तो सिंक जल तत्व से जुड़ा है। दोनों एक दूसरे के विपरीत है। मान्यता है कि इनके पास होने पर घर में तनाव पैदा होता है। जीवन में असंतुलन बना रहता है।

### नीचे ना रखें डस्टबिन

ध्यान रखें कि किचन सिंक के नीचे कभी भी डस्टबिन ना रखें और साथ यहां कचड़ा बिल्कुल इकट्ठा ना होने दें। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आती है। साथ ही किचन का सिंक ऐसी जगह पर रखना चाहिए जहां से कोई भी लिविंग रूम नजर न आए। सिंक का नल कभी भी खराब नहीं होना चाहिए। ध्यान रखें कि इससे लगातार पानी टपकना नहीं चाहिए।

# क्यों फटते हैं होंठ

**ठंड के मौसम में सर्द हवा के कारण होठों की ऊपरी परत कमजोर होने लगती है और यही कारण है आपके होंठ ड्राई होने लगते हैं। होंठ फटने पर ये सूखे हुए दिखते हैं और फिर लिपस्टिक लगाने पर खुरदुरापन दिखता है। क्लियर फिनिश लुक नहीं मिलता। ऐसे में आप 2 किचन की चीजों को लगाकर लिप्स केयर कर सकती हैं।**

### 1- मलाई

हर रसोई में मलाई जरूर होती है और आपने कभी न कभी इसकी चिकनाई भी देखी होगी। मलाई में काफी चिकनाई होती है, जो स्किन के लिए अच्छी होती है। पहले लोग मलाई होठों पर लगाते हैं। रात को सोने से पहले कटोरी में मलाई लें और होठों पर लगाकर मसाज करें। फिर सुबह इसे गुनगुने पानी से साफ करें। आप हफ्ते भर इसे लगाकर देखें, आपको फर्क नजर आएगा।

### 2- घी

पुराने जमाने की औरतें आज भी होठों को मुलायम रखे के लिए घी का इस्तेमाल करती हैं। मलाई की तरह ही घी भी स्किन को सॉफ्ट बनाने में हेल्प करता है, इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं। घी भी आप सोने से पहले होठों पर लगा सकती हैं। इसके अलावा नाभि में भी घी लगाने से लिप्स सॉफ्ट हो जाते हैं। ऐसा कई आयुर्वेदिक डॉक्टर्स का मानना है। इस नुस्खे को भी आप हफ्ते भर ट्राई करके देख सकते हैं।

नोट- दोनों ही चीजें नेचुरल हैं और असरदार भी। फिर भी अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव हो तो इन्हें लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

# सर्दियों में खाना गर्म रखने का देसी नुस्खा

**सर्दियों में खाना जल्दी ठंडा होना एक आम और परेशान करने वाली समस्या बन जाता है। खासतौर पर तब, जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ भोजन नहीं कर पाते या मेहमानों के आने की वजह से खाना पहले से तैयार करना पड़ता है। ठंडा खाना न केवल स्वाद में बदलाव लाता है, बल्कि इसके पोषण पर भी असर पड़ता है। कई बार यह खाने का आनंद ही कम कर देता है और सेहत के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। ऐसे में भोजन को लंबे समय तक गर्म रखना जरूरी हो जाता है, ताकि हर बार परोसा गया खाना ताजा और स्वादिष्ट लगे।**

**बर्तन ढककर और थर्मल का इस्तेमाल :-** भोजन को ढककर रखना सबसे पुराना और कारगर तरीका है। बर्तन को ढक्कन से ढकने से भाप बाहर नहीं जाती और खाना लंबे समय तक गर्म रहता है। इसके अलावा, मोटे तले वाले स्टील के बर्तन या थर्मल कैसरोल भी खाना लंबे समय तक गर्म रखने में मदद करते हैं। ये बर्तन खाना न केवल गर्म रखते हैं बल्कि उसे ताजा भी बनाए रखते हैं।

**रोटियों को नर्म और गर्म रखने की ट्रिक :-** रोटियों को सीधे प्लेट में रखने की बजाय साफ सूती कपड़े में लपेटें। इसके बाद इसे किसी डिब्बे या हॉट बॉक्स में रखें। कपड़ा नमी को संतुलित रखता है और रोटियां जल्दी ठंडी नहीं होतीं। इस तरीके से रोटियां नर्म बनी रहती हैं और उनका स्वाद भी बना रहता है।

**धीमी आंच और वॉटर बाथ का तरीका :-** अगर खाना लंबे समय तक रखना हो तो बर्तन को गैस पर धीमी आंच पर ढककर रखें। ये हल्की गर्मी बनाए रखता है और खाना जले बिना गर्म रहता है। इसके अलावा, बड़े बर्तन या ट्रे में गर्म पानी भरकर उसमें खाने का बर्तन रखने से भी भोजन की गर्मी लंबे समय तक बनी रहती है। ये तरीका तब खासतौर पर उपयोगी है जब गैस या बिजली उपलब्ध न हो।

**सही जगह और तापमान का ध्यान :-** सर्दियों में रसोई का तापमान भी बहुत मायने रखता है। खाना खिड़की या दरवाजे के पास रखने से ठंडी हवा लगती है और खाना जल्दी ठंडा हो जाता है। हमेशा खाना रसोई के अंदर या किसी बंद जगह पर रखें। इससे तापमान संतुलित रहता है और भोजन लंबे समय तक गर्म और ताजा बना रहता है।

# पेट्रोलियम जेली इस्तेमाल करने के 5 तरीके

वैसलीन को लेकर लोगों में कंफ्यूजन की स्थिति रहती है। क्योंकि, ये प्रोडक्ट स्किन पर लगाने के लिए होता है,लेकिन ज्यादातर लोग इसे स्किन पर नहीं लगाते। हालांकि, डर्मेटोलॉजिस्ट का मानना है कि ये स्किन को मॉइश्चराइज करने का काम नहीं करता बस स्किन पर मॉइश्चर को लॉक करने के लिए होता है। ये एक बैरियर की तरह काम करता है। अब पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल स्किन पर हो या ना हो लेकिन इससे दूसरे काम बड़े ही आसानी से किए जाते हैं और लुब्रिकेंट फार्मूला रोजमर्रा के कई कामों को आसान बना देता है। तो आज आप भी जान लें इमरजेंसी में वैसलीन से कितने सारे कामों को सॉल्व किया जा सकता है।

**शू शाइनर की तरहें इस्तेमाल :-** घर में अगर शू शाइनर खत्म हो गया है या फिर पॉलिश खत्म हो गया तो पेट्रोलियम जेली की मदद से जूतों को दोबार शाइनी बनाया जा सकता है।

**दरवाजों का शोर बंद करने के लिए :-** दरवाजों के कब्जे कई बार जंग से या पानी से टाइट हो जाते हैं। जिनमे से आवाज आने लगती है। इन आवाज को शांत करने के लिए बस इन दरवाजों के जोड़ों पर वैसलीन लगा दें। आवाज आना बंद हो जाएगी।

**दीवारों पर लगे क्रेयॉन के धब्बे साफ करने के लिए:-** घर में बच्चे हैं तो दीवारों पर क्रेयॉन ड्राइंग कर देते हैं। इन्हें साफ करने में अक्सर पेंट खराब हो जाता है। लेकिन कपड़े में वैसलीन को लगाकर दीवारों को साफ करेंगी तो क्रेयॉन के सारे धब्बे आसानी से साफ हो जाएंगे।

# सर्दियों में चेहरा हो गया है डल? ये घरेलू नुस्खे कर देंगे कमाल

**ठंडे मौसम में कई लोगों को ये समस्या देखने को मिलती है कि उनका चेहरा काला या डल लगने लगता है। इसका मुख्य कारण हवा में नमी की कमी है, जिससे त्वचा रुखी और बेजान हो जाती है। रुखी त्वचा अधिक गहरी और डल दिखाई देती है, जिससे चेहरे का रंग फिका लगने लगता है। इसके अलावा, सर्दियों में सूरज की किरणें कम तीव्र महसूस होती हैं, लेकिन UV किरणें अब भी त्वचा पर असर डालती हैं। यदि आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं, तो टैनिंग या काले धब्बों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए कुछ घरेलू उपाय बेहद असरदार साबित होते हैं।**

### गुलाब जल और ग्लिसरीन का फेस टॉनिक

चेहरे की चमक और नमी बनाए रखने के लिए गुलाब जल और ग्लिसरीन को बराबर मात्रा में मिलाकर रात को सोने से पहले चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा को हाइड्रेट करता है और कालेपन को कम करने में मदद करता है। नियमित इस्तेमाल से त्वचा न केवल मुलायम रहती है बल्कि प्राकृतिक चमक भी लौट आती है।

### एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल चेहरे की चमक बनाए रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका है। ताजे एलोवेरा जेल को चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को अंदर से नमी प्रदान करता है और रंगत निखारने में सहायक होता है।

### शहद और दूध का फेस पैक

दो चम्मच शहद में एक चम्मच कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और दूध कालेपन को दूर करने में मदद करता है। 15-20 मिनट के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। यह पैक त्वचा को मुलायम और दमकदार बनाता है।

### नींबू और शहद का कॉम्बिनेशन

यदि आपको नींबू से एलर्जी नहीं है, तो नींबू के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह मिश्रण मृत त्वचा को हटाकर रंगत निखारने में मदद करता है। नियमित इस्तेमाल से चेहरे का कालापन धीरे-धीरे कम हो जाता है।

# अष्टान्हिका जिनभक्ति महोत्सव, रथयात्रा और महापूजा

दक्षिण मुंबई के वालकेश्वर स्थित श्री श्रीपालनगर जैन देरासर-उपाश्रय में श्री मुनिसुव्रत स्वामी आदि भगवान के कलात्मक परिकर, प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान के रायांग चरण-चिह्न, प्रथम गणधर श्री पुंडरिक स्वामीजी तथा 20वीं सदी के अद्वितीय शासन-प्रभावक, पूज्य युगाधिराज आचार्य श्री विजय रामचंद्र सूरिश्वरजी महाराज की गुरु मूर्ति आदि की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा के साथ अष्टान्हिका जिनभक्ति महोत्सव, रथयात्रा और महापूजन का भव्य एवं विशिष्ट आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठा सदुपदेशक शासन प्रदीप प.पू. आ. श्री विजयप्रदीपचंद्र सूरिश्वरजी महाराज तथा मधुर प्रवचनकार प.पू. आ. श्री विजयहर्षिल सूरिश्वरजी महाराज सहित पाँच आचार्य भगवंतों की निश्रा में, चतुर्विध श्रीसंघ (साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका), सज्जन-महाजन की उपस्थिति में तथा संगीत के सान्निध्य में इस ऐतिहासिक महामहोत्सव की पत्रिका का आलेखन किया गया।

श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उप-प्रमुख श्री संजय जीवनलाल शाह एवं उनकी धर्मपत्नी अल्पाबेन के वरद हस्तों से प्रथम पत्रिका गुरु महाराज प.पू. आ. श्री विजयप्रदीपचंद्र सूरिश्वरजी महाराज को अर्पित की गई। अल्पाबेन भी श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ की उप-प्रमुख हैं।

आगामी 28-01-26 से ऐतिहासिक महोत्सव का शुभारंभ होगा। रविवार, 1 फरवरी को भव्य रथयात्रा एवं गुरु मूर्ति का मंगल प्रवेश होगा। तत्पश्चात 05-02-26 से महोत्सव का आरंभ होगा, जिसकी प्रतिष्ठा 11-02-26, बुधवार को प्रातः 9 बजे संपन्न होगी। श्रीपालनगर संघ ट्रस्ट मंडल एवं आराधक इस अवसर को भव्य बनाने हेतु व्यापक तैयारियाँ एवं आयोजन में सतत प्रयासरत हैं। ट्रस्ट मंडल द्वारा समस्त श्री जैन संघों को इस पावन प्रसंग में पधारने का सादर आमंत्रण दिया गया है।

# सप्लीमेंट्स से पहले सही फूड कॉम्बिनेशन जरूरी

**आज के समय में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए लोग तुरंत सप्लीमेंट्स या दवाओं का सहारा लेने लगते हैं, जबकि असली हीलिंग हमारी थाली से शुरू होती है। डाइटिशियन और हेल्थ एक्सपर्ट रुचि चावड़ा मानती हैं कि अगर सही खाद्य पदार्थों को सही संयोजन में लिया जाए, तो वही भोजन दवा की तरह काम करने लगता है। दरअसल, हर फूड में मौजूद न्यूट्रिएंट्स अकेले नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ मिलकर बेहतर असर दिखाते हैं।**

कुछ फूड कॉम्बिनेशन पाचन को मजबूत करते हैं, कुछ एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं, तो कुछ गट, हार्मोन और इम्युनिटी को संतुलित रखने में मदद करते हैं। गलत खान-पान से जहां गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी और थकान जैसी समस्याएं बढ़ती हैं, वहीं स्मार्ट फूड पेयरिंग इन परेशानियों को जड़ से सुधार सकती है।

जानें ऐसे आसान लेकिन प्रभावी फूड कॉम्बिनेशन के बारे में जिन्हें रोजमर्रा की डाइट में शामिल करके आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

खजूर और घी का संयोजन शरीर को तुरंत एनर्जी देता है। यह आंतों को लुब्रिकेट करता है जिससे कब्ज की समस्या कम होती है और बिना शुगर क्रैश के नेचुरल स्टैमिना मिलता है। कमजोरी और थकान में यह कॉम्बिनेशन बेहद फायदेमंद माना जाता है।

अदरक और सेंधा नमक पाचन के लिए एक कारगर उपाय है। खाने से पहले इसका सेवन गैस, ब्लोटिंग और भारीपन को कम करता है। यह डाइजेस्टिव एंजाइम्स को एक्टिव करता है और भूख को भी बेहतर बनाता है।

तिल और अजवाइन का मिश्रण खासतौर पर स्लो डाइजेशन और पेट दर्द में राहत देता है। यह पोस्ट-मील हेवीनेस को कम करता है और गट को आराम पहुंचाता है।

आंवला और नेचुरल स्वीटनर जैसे शहद या गुड़, एसिडिटी और जलन की समस्या में मदद करता है। यह गट लाइनिंग को सपोर्ट करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और त्वचा-बालों की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

गुड़ और भुना चना शाम के समय शुगर क्रेविंग को रोकता है। यह आयरन सपोर्ट देता है, लंबे समय तक पेट भरा रखता है और एनर्जी लेवल बनाए रखता है।

वहीं, सोंठ और गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करता है, पानी रुकने की समस्या और ठंड से होने वाले भारीपन में राहत देता है।

*हेल्थ टिप : डाइटिशियन के अनुसार, पोषण तब सबसे प्रभावी होता है जब भोजन एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करे। छोटी-छोटी फूड चॉइसेज से बड़ा हेल्थ इम्पैक्ट पाया जा सकता है। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं।*

## संक्षिप्त समाचार

### ताइवान में बड़ा जासूसी खुलासा: टीवी पत्रकार और 5 सैन्य अधिकारी गिरफ्तार

**ताइपे एजेंसी।** ताइवान में एक पत्रकार को मुख्यभूमि चीन के लोगों को सैन्य जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों में शनिवार को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वशासित द्वीप ताइवान चीन की संभावित घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ा रहा है। ताइवान के कियाओतौ जिला अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि एक जिला अदालत ने लिन उपनाम वाले एक टेलीविजन रिपोर्टर और सेना के पांच वर्तमान व सेवानिवृत्त अधिकारियों की हिरासत का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार की पहचान उजागर नहीं की गई, लेकिन सीटीआई टीवी ने अपने रिपोर्टर लिन चेन-यू की हिरासत की पुष्टि की। चैनल ने कहा कि उसे मामले के विवरण की जानकारी नहीं है, लेकिन उसने निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की मांग करते की है। ताइवान में सरकार और सेना के भीतर जासूसी मामलों की जांच आम है लेकिन पत्रकारों पर इस तरह के आरोप दुर्लभ माने जाते हैं। अभियोजकों का आरोप है कि लिन ने ''चीनी व्यक्तियों को जानकारी देने के बदले वर्तमान सैन्य अधिकारियों को कुछ हजार से लेकर दस हजार ताइवानी डॉलर तक के कई भुगतान किये। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वे चीनी व्यक्ति कौन थे या उनका चीनी सरकार से कोई संबंध था या नहीं।

### टीटीपी के 49 आतंकी गिरफ्तार

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने पिछले 30 दिनों में संचालित अलग-



अलग अभियान के दौरान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 49 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने बताया कि उसने पंजाब के अलग-अलग जिलों में कुल 425 अभियान संचालित किए, जिसमें 427 संदिग्धों से पूछताछ की गई और 49 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, हथियारों, विस्फोटकों तथा अन्य प्रतिबंधित साम्राग्री बरामद की गई। ष्टञ्जष्ठ के बयान में कहा गया है, ''आतंकवादियों ने अलग-अलग शहरों में महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। गिरफ्तार आतंकवादियों के खिलाफ 44 मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच की जा रही है। सीटीडी ने आतंकवादियों के पास से 16,480 ग्राम विस्फोटक, दो हथगोले, 36 डेटोनेटर, 58 फुट सेफ्टी फ्यूज वायर, छह बम और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया है।

### पाकिस्तान में घने कोहरे का कहर, पुल से गिरा ट्रक

**इस्लामाबाद एजेंसी।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को घने कोहरे के कारण 23 यात्रियों को ले जा रहा ट्रक पुल से गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में तड़के हुआ। ट्रक में सवार ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे, जो इस्लामाबाद से फैसलाबाद में एक अंत्येष्टि संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। घने कोहरे के कारण राजमार्ग बंद होने की वजह से ट्रक ने स्थानीय मार्ग अपनाया। कम दृश्यता के कारण चालक का वाहन पर नियंत्रण खो जाने से वह गलापुर पुल से एक सूखी नहर में गिर गया। मरने वालों में 6 बच्चे भी शामिल मरने वालों में छह बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज कोट मोमिन के सिविल अस्पताल में चल रहा है।

# ग्रीनलैंड- ट्रम्प के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर

## कहा- हमारा देश बिकाऊ नहीं; अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट रोकने की तैयारी में यूरोपीय संघ

**नुउक , एजेंसी।**
ग्रीनलैंड में ट्रम्प के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए बयानों पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है के नारे लगाए।

बर्फीली सड़कों के बीच प्रदर्शनकारी ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के डाउनटाउन से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय झंडे लहराए और विरोधी पोस्टर थामे रहे। पुलिस के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है, जिसमें नुउक की लगभग एक-चौथाई आबादी शामिल हुई।

इसी दौरान अमेरिका ने यूरोप के 8 देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का




विरोध कर रहे थे। इससे ग्रीनलैंड के लोगों में ट्रम्प को लेकर गुस्सा और बढ़ गया।

दूसरी ओर यूरोपीय संघ के सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में हैं। यूरोपियन पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष मैनफ्रेड वेबर ने शनिवार को सोशल मीडिया ङ्ग पर पोस्ट कर कहा कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अमेरिका से समझौते को मंजूरी देना संभव नहीं है।

नफ्रेड वेबर ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईपीपी व्यापार समझौते के पक्ष में था, लेकिन ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अब मंजूरी संभव नहीं। उन्होंने अमेरकी उत्पादों पर 0 प्रतिशत टैरिफ को होल्ड करने की बात कही। यूरोपीय संसद के अन्य समूह भी समझौते को फ्रीज करने की मांग कर रहे हैं। अगर फैसले को लेकर सहमति बनती है, तो समझौता रुक सकता है। ईयू-यूएस ट्रेड एग्रीमेंट को यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने पिछले साल तय किया था। यह समझौता आंशिक रूप से लागू हो चुका है, लेकिन इसे अंतिम मंजूरी यूरोपीय संसद से मिलना अभी बाकी है। अगर ईपीपी के सांसद वामपंथी दलों के साथ इसके विरोध में खड़े होते हैं, तो उनके पास इतनी संख्या हो सकती है कि वे इस समझौते की मंजूरी को टाल दें या पूरी तरह रोक दें। इस ट्रेड डील के तहत ज्यादातर यूरोपीय वस्तुओं पर अमेरिका 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर सहमत हुआ था। इसके बदले ईयू ने अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क खत्म करने का वादा किया था। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यह समझौता अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से बचने के लिए किया था। हालांकि, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प के हालिया रुख ने इस समझौते को राजनीतिक संकट में डाल दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्रम्प के बयानों को अस्वीकार्य बताया। यूरोपीय देशों ने कहा कि ग्रीनलैंड की संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए और सहयोगियों को धमकी नहीं देना चाहिए। अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। ट्रम्प ने पहले ईयू पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, स्टील, कॉपर और एल्यूमीनियम के सामानों पर रियायत नहीं मिलेगी और इन पर टैरिफ की दर 50 प्रतिशत ही रहेगी। ईयू अगले 3 साल में अमेरिका से 750 बिलियन डॉलर, यानी करीब 64 लाख करोड़ रुपए की एनर्जी खरीदेगा। इसके साथ ही ईयू अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर यानी 51 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। ये निवेश अमेरिका के फार्मा, ऑटो और डिफेंस सेक्टर में होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप के 8 देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड टैरिफ के दायरे में आएंगे। इन पर 1 फरवरी से टैरिफ लागू होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं होता है।

# ईरान में 3,090 मौतें, मानवाधिकार ने दी जानकारी

## 205 सुरक्षाकर्मी और अन्य सरकारी कर्मचारी हैं

**तेहरान एजेंसी।** ईरान में महंगाई के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में 3,090 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी शनिवार को मानवाधिकार संगठन ने



दी है। बताया कि देश में आठ दिन बाधित रहने के बाद इंटरनेट सेवा क्षेत्रवार बहाल हो रही है, इससे वहां पर हुई मौतों और नुकसान का पता चल रहा है।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को अपराधी करार दिया है जो ईरान में विरोध प्रदर्शनों और उस दौरान हुई मौतों, नुकसान, बदनामी के लिए जिम्मेदार हैं।

अमेरिका की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से जुड़ी न्यूज एजेंसी एचआरएएनए के अनुसार उसे अपनी जांच में प्रदर्शनों के दौरान ईरान में कुल 3,090 लोगों की मौत का पता चला है। इनमें से 2,885 मृतक प्रदर्शनकारी हैं, बाकी के 205 सुरक्षाकर्मी और अन्य सरकारी कर्मचारी हैं। 10 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं लेकिन उनकी सही संख्या अभी सामने नहीं आई है। मृतकों की यह संख्या 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के दौरान मारे गए लोगों से भी ज्यादा है। सरकार का क्या कहना है? ईरान सरकार ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों के बीच सक्रिय हथियारबंद दंगाइयों ने हिंसा की, फायरिंग में लोगों को मारा और आगजनी की। ये लोग आमजन नहीं थे बल्कि इजरायल और अमेरिका के एजेंट थे। वे बहुत से नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों की मौत और नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं।

दो हफ्ते के हिंसक प्रदर्शनों के बाद राजधानी तेहरान पिछले चार दिनों से शांत हैं और वहां पर जनजीवन पटरी पर लौटता दिखाई दे रहा है। वहां पर गुरुवार और शुक्रवार को कोई बड़ा प्रदर्शन नहीं हुआ। राजधानी क्षेत्र की ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

### 800 लोगों को फांसी देने की योजना थी: ट्रंप

प्रदर्शनकारियों को फांसी देने पर ईरान के खिलाफ बहुत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरानी नेताओं ने अब सामूहिक फांसी देने का निर्णय रद कर दिया है।

ट्रंप ने कहा, शुक्रवार को 800 से ज्यादा गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को समूह में फांसी देने की योजना थी लेकिन उस निर्णय को रद कर दिया गया। ट्रंप ने इसके लिए इंटरनेट मीडिया ईरानी नेतृत्व को धन्यवाद दिया है। जबकि ईरान ने सामूहिक फांसी देने के ऐसे किसी निर्णय या उसे रद करने से इन्कार किया है।

ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच छात्रों सहित कई भारतीय स्वदेश लौटे। ये कमर्शियल उड़ानें शुक्रवार देर रात दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचीं। यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि इन कमर्शियल उड़ानों से कितने भारतीय आए हैं। एक यात्री अली नाकी से पूछा गया कि क्या उन्हें ईरान में किसी तरह की कठिनाई का सामना करना पड़ा।

उन्होंने जवाब दिया, हमें कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने बताया, हम तेहरान से लौटे हैं। पहले हम इराक में थे, फिर ईरान गए। वहां आठ दिन रुकने के बाद हम भारत लौट आए हैं।

मेडिकल कालेज में पढ़ रही एक युवती ने कहा, इंटरनेट काम नहीं कर रहा था। इसलिए हमें ठीक से पता नहीं था कि देश में क्या हो रहा है। छात्रा ने कहा कि जिस शहर में वह थी, वहां स्थिति ठीक थी।

# नए नेतृत्व का समय आग गया है... , ईरान में ट्रंप कर रहे तख्तापलट का इशारा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को धमकी दी है। ट्रंप का दावा है कि वो कहते हैं कि उनके नेतृत्व में ईरान नरक से भी बदतर हो गया है। उससे बेकार जगह पूरी दुनिया में कहीं नहीं हैं। ट्रंप ने खामेनेई के बयान पर पलटवार किया है।



खामेनेई की 37 साल की सत्ता को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान में नए नेतृत्व का समय आ गया है।

ट्रंप ने शनिवार को कहा, खामेनेई में अब तक का जो सबसे अच्छा फैसला लिया है, वो 800 से ज्यादा लोगों को फांसी न देने का था।

ट्रंप का कहना है कि ईरान में हिंसा और दमन के बल पर सरकार चल रही है। खामेनेई ने ईरान को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। उनकी वजह से ईरान में हिंसा छिड़ी हुई है। ट्रंप ने कहा, देश चलाने के लिए नेतृत्व का सारा ध्यान देश पर ही होना चाहिए, जैसे अमेरिका का होता है। ये नहीं होना चाहिए कि नियंत्रण हासिल करने के लिए हजारों लोगों को मार दिया जाए। नेतृत्व का अर्थ सम्मान से होता है, न कि डर और मौतों से। खामेनेई को बीमार व्यक्ति की संज्ञा देते हुए ट्रंप खामेनेई ने कहा कि उन्होंने ईरान में साजिशों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने सभी मौतों के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को अपराधी करार दिया है जो ईरान में विरोध प्रदर्शनों और उस दौरान हुई मौतों, नुकसान, बदनामी के लिए जिम्मेदार हैं। अमेरिका की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से जुड़ी न्यूज एजेंसी ॥क्र्रु के अनुसार, प्रदर्शनों के दौरान ईरान में कुल 3,090 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 2,885 प्रदर्शनकारी हैं और 205 सुरक्षाकर्मी समेत अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल हैं।

10 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं लेकिन उनकी सही संख्या अभी सामने नहीं आई है। मृतकों की यह संख्या 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के दौरान मारे गए लोगों से भी ज्यादा है।

# इराक से अमेरिकी सेना बाहर, अहम 'एयर बेस' से पूरी तरह अब इराकी नियंत्रण में

**बगदाद , एजेंसी।** इराकी अधिकारियों ने शनिवार को पुष्टि की कि अमेरिकी बल पश्चिमी इराक स्थित एक अहम 'एयर बेस' से पूरी तरह हट गए हैं और अब उसका पूरा नियंत्रण इराकी सेना ने अपने हाथ में ले लिया है। यह कदम इराक और अमेरिका के बीच हुए उस समझौते के तहत उठाया गया है, जिसके अनुसार अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना को चरणबद्ध तरीके से इराक से बाहर जाना था। वाशिंगटन और बगदाद ने वर्ष 2024 में इस बात पर सहमति जताई थी कि इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ अभियान में शामिल गठबंधन सेना को सितंबर 2025 तक इराक से हटा लिया जाएगा। इसी योजना के तहत अमेरिकी बल उन सभी ठिकानों से निकलने वाले थे, जहां वे लंबे समय से तैनात थे। हालांकि, समझौते के बावजूद कुछ समय तक अमेरिकी सैन्य सलाहकारों और सुरक्षा कर्मियों की एक छोटी टुकड़ी पश्चिमी इराक के ऐन अल-असद एयर बेस में मौजूद रही। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने अक्टूबर में कहा था कि मूल समझौते के अनुसार सितंबर तक पूरी वापसी होनी थी, लेकिन सीरिया में हुए घटनाक्रम के कारण 250 से 350 अमेरिकी कर्मियों को अस्थायी रूप से वहां बनाए रखना पड़ा। अब इराकी सेना ने स्पष्ट किया है कि सभी अमेरिकी कर्मी एयर बेस से जा चुके हैं। सेना के बयान के मुताबिक, अमेरिकी बलों की वापसी के बाद इराकी थलसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अब्दुल अमीर राशिद याराल्लाह ने मौके पर पहुंचकर विभिन्न सैन्य इकाइयों को नई जिम्मेदारियां सौंपीं। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर इस वापसी की पुष्टि की है। वहीं, अमेरिकी सेना की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि अमेरिकी बल उत्तरी इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र और पड़ोसी सीरिया में अब भी अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं।

# इंडोनेशिया में 11 लोगों को लेकर जा रहा विमान लापता, तलाश अभियान जारी

**जकार्ता, एजेंसी।** इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा और सुलावेसी द्वीप के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र के पास पहुंचते समय एक क्षेत्रीय यात्री विमान का ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया। विमान में 11 व्यक्ति सवार थे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

परिवहन मंत्रालय प्रवक्ता एंडाह पूर्णमा सारी ने बताया कि इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट द्वारा संचालित टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान योग्याकार्ता से दक्षिण सुलावेसी की राजधानी जा रहा था, तभी वह रडार से गायब हो गया। विमान का आखिरी बार अपराह्न 1-17 बजे दक्षिण सुलावेसी प्रांत के एक पहाड़ी जिले मारोस के लेआंग-लेआंग क्षेत्र में पता चला था। सारी ने एक बयान में कहा कि वायुसेना के हेलीकॉप्टर, ड्रोन और जमीनी इकाइयों के सहयोग से कई खोज और बचाव दल लगाये गए हैं। माउंट बुलुसाराउंग पर पर्वतारोहियों द्वारा बिखरे हुए मलबे, इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट के चिह्न से मेल खाने वाले लोगो और घटनास्थल पर



आग को देखने की सूचना के बाद मलबे का पता लगाने की उम्मीदें बढ़ गईं। दक्षिण सुलावेसी के हसनुद्दीन सैन्य कमांडर मेजर जनरल बंगुन नावोको ने कहा, इस बारे में सूचना अधिकारियों को दे दी गई है और बचाव दल उक्त क्षेत्र तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं और इसकी पुष्टि कर रहे हैं। सारी ने कहा, एटीसी के अंतिम निर्देशों के बाद, रेडियो संपर्क टूट गया और नियंत्रकों ने आपातकालीन संकट की घोषणा कर दी।

# अमेरिका का बदला: सीरिया में हॉकी स्ट्राइक अभियान तेज, अल-कायदा का टॉप आतंकी किया ढेर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने सीरिया में जवाबी हमलों के तीसरे दौर में अल-कायदा से जुड़े एक शीर्ष आतंकवादी नेता को मार गिराया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, यह आतंकी उस इस्लामिक स्टेट (आईएस) सदस्य से सीधे तौर पर जुड़ा था, जिसने पिछले महीने सीरिया में घात लगाकर हमला किया था। उस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक असैन्य दुभाषिए की मौत हो गई थी। 'यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम)' ने बताया कि शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में किए गए सटीक हमले में बिलाल हसन अल-जासिम मारा गया। सेंटकॉम के अनुसार, वह एक शीर्ष आतंकी साजिशकर्ता था और 13 दिसंबर को हुए उस हमले से सीधे तौर पर जुड़ा था, जिसमें सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवार, सार्जेंट विलियम नथानियल हॉवर्ड और अमेरिकी असैन्य दुभाषिया अयाद मंसूर सकात की जान गई थी।

अमेरिकी कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर

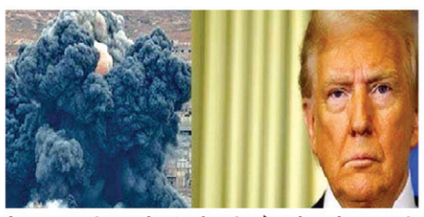



ने कहा, तीन अमेरिकियों की मौत से जुड़े आतंकी का सफाया यह साफ करता है कि हमारे बलों पर हमला करने वालों का पीछा करने का हमारा संकल्प अडिग है। जो लोग अमेरिकी नागरिकों और सैनिकों पर हमले करते हैं, उनकी योजना बनाते हैं या उकसाते हैं उनके लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं। हम आपको खोज निकालेंगे। यह कार्रवाई उस व्यापक अमेरिकी अभियान का हिस्सा है, जिसका आदेश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकियों पर हुए घातक हमले के बाद दिया था।

# कराची के मॉल में भीषण अग्निकांड: 3 लोगों की मौत, दर्जनों दुकानें खाक, धुएं के गुबार से ढका आसमान

**कराची एजेंसी।** पाकिस्तान के आर्थिक केंद्र कराची में शनिवार रात एक बहुमंजिला शॉपिंग मॉल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक कम से कम 3 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है जबकि करीब 12 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आग इतनी भयानक थी कि इसने मॉल की दर्जनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और करोड़ों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

यह हादसा कराची के व्यस्त इलाके में स्थित प्रसिद्ध गुल प्लाजा में हुआ। आग रात करीब 10 बजे लगी जब अधिकांश दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार अगर यह आग दिन के व्यस्त समय में लगी होती तो हताहतों की संख्या सैकड़ों



में हो सकती थी। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार मॉल के उस हिस्से में आग सबसे पहले भड़की जहां आयातित कपड़ों , गारमेंट्स और प्लास्टिक के घरेलू सामानों का बड़ा स्टॉक रखा था। प्लास्टिक और कपड़े जैसे ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के कारण आग ने देखते ही देखते कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। फिलहाल आग लगने की सटीक वजह (जैसे शॉर्ट सर्किट या लापरवाही) स्पष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि पूरी तरह कूलिंग होने के बाद ही फॉरेंसिक जांच शुरू होगी।

घटनास्थल पर दमकल की कई गाड़ियां और बचाव दल तुरंत पहुंच गए। टीवी फुटेज में दमकलकर्मी सीढ़ियों और पानी की तोपों के जरिए आग बुझाने की कोशिश करते दिखे। मॉल से निकलने वाला काला धुआं इतना घना था कि कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी आई। कराची में मॉल में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। नवंबर 2023 में भी एक मॉल अग्निकांड में 10 लोगों की मौत हुई थी।

## खबर-खास

### पिथौरा के वरिष्ठ पत्रकार लोचन चौहान डॉ भीमराव अम्बेडकर फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित

**पिथौरा( समय दर्शन )।** भारतीय दलित साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा आयोजित प्रादेशिक सम्यक प्रबोधन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन विगत दिनों 18, जनवरी 2026 दिन रविवार को धमतरी स्थित गोंडवाना भवन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए विद्वानों, साहित्यकारों, पत्रकारों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति रही। समारोह के दौरान पिथौरा क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार,छत्तीसगढ़ सृजन पत्रिका के प्रधान संपादक लोचन चौहान को पत्रकारिता और राष्ट्रीय सामाजिक चेतना एवं उनके द्वारा किए जा रहे कार्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद लोचन चौहान ने भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, यह सम्मान उन्हें निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने की प्रेरणा देगा।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, सामाजिक समानता और साहित्य व पत्रकारिता की भूमिका पर सार्थक चर्चा भी हुई, जिससे समारोह प्रेरणादायी और विचारोत्तेजक बन गया।

### सेना में चयनित युवाओं का सतनामी समाज ने किया सम्मान

**महासमुंद( समय दर्शन )।** झलप क्षेत्र में भारत माता की सेवा हेतु देश के सेना में चयन होने वाले सतनामी समाज के चयनित युवाओं का प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज झलप के पदाधिकारियो के द्वारा सम्मान किया गया। सुरक्षा बल में चयनित साथी योगेंद्र ढीढी, छगन कुर्रे, रोशन मन्नाड़े, कुलेश्वर भारद्वाज का श्वेत गमछा से सम्मान करते हुए सभी युवाओ को बधाई व शुभकामनायें प्रदान की गई। साथ ही अपने प्रथम प्रयास में सुरक्षा बल में चयन से केवल 0.5 अंको से चुकने वाले लोकेश कोसरिया का भी सम्मान करते हुए उन्हें फिर से कोशिश करने व मेहनत जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस पल को चयनित युवाओं के साथ केक काट कर सेलिब्रेट किया गया। इस अवसर पर जेल यात्री हीरा जोगी ने युवाओं को शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में कार्य करने की बात कही,तथा महासमुंद ब्लॉक अध्यक्ष चित्रकूमार भारती ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए समाज के अन्य युवाओं के लिए मार्गदर्शक व प्रेरणा बनने की बात कही। इस दौरान उपस्थित युवाओं को कोषाध्यक्ष किशन कोसरिया जी, शिक्षक साथी धनीराम जांगड़े जी व संतराम कुर्रे जी ने भी सम्बोधित करते हुए समाज के अन्य युवाओं साथियों को प्रोत्साहित करने की बात कही। इस अवसर पर जिला सह सचिव भोजनाथ मधुकर, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष तेजराम चौलिक, संतराम भास्कर, रूपेश प्रभाकर, प्रज्ञा टंडन, पूरन मारकंडे, नंदकुमार, भीष्म मारकंडे, ओमप्रकाश सोनवानी, पवन आवड़े, भूपेंद्र मन्नाड़े, संजय, योगेश बाघमारे, वाले बंजारे, दानवीर कोसरिया, सहित बड़ी संख्या में समाजिक पदाधिकारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन तेजराम चौलिक ने किया व बरेकेल -पचरी अठगवां परिक्षेत्र अध्यक्ष रूपेश प्रभाकर ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

# महावीर चौक में विधायक इंद्रशाह मंडावी का जन्मदिन उत्साह व धूमधाम से मनाया गया : आसिफ

**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक इंद्रशाह मंडावी का जन्मदिन राजनांदगांव शहर के महावीर चौक में पूरे उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आसिफ अली के नेतृत्व में स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों द्वारा ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विधायक इंद्रशाह मंडावी के स्वागत से हुई, जहां उन्हें फूलमालाएं पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं कुलबीर सिंह छाबड़ा, हेमा देशमुख, संतोष पिल्ले, श्रीकिशन खंडेलवाल, रूपेश दुबे, कमलजीत सिंह पिंटू, शारदा तिवारी, सुदेश देशमुख, रमेश डाकलिया, विवेक वासनिक, अशोक फड़णवीस, थानेश्वर पाटिला, झम्मन देवांगन, एजाजउर रहमान, नारायण यादव, मन्ना यादव, रूबी गरचा, सूर्यकांत जैन आदि वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में मंच पर केक कटवाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। आयोजन स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों और जयकारों के साथ विधायक के प्रति अपना स्नेह और सम्मान प्रकट किया। जन्मदिन की खुशियां साझा करते हुए आसपास उपस्थित नागरिकों एवं राहगीरों को मिठाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर आसिफअली ने कहा कि विधायक इंद्रशाह मंडावी सरल स्वभाव, मजबूत नेतृत्व और जनहित के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मोहला-मानपुर सहित आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार संघर्ष किया है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और आम जनता की समस्याओं को विधानसभा में प्रमुखता से उठाने का कार्य विधायक द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

# एनएमडीसी, बचेली ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित की रिपब्लिक डे रन, 2026

**दंतेवाड़ा ( समय दर्शन )।** भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और जिम्मेदार खनन कंपनी एनएमडीसी ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अपने बचेली परियोजना में 18.01.2026 को मैराथन दौड़ - 'रिपब्लिक डे रन, 2026' का आयोजन किया। इस मैराथन दौड़ का आरंभ एनएमडीसी की ब्रांड एंबेसडर, मिस निखत ज़रीन (दो बार की विश्व बॉक्सिंग चैंपियन) एवं श्रीधर कोडाली, परियोजना प्रमुख, एनएमडीसी, बचेली के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस मैराथन दौड़ में एनएमडीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों, सीआईएसएफ कर्मियों, छात्र-छात्राओं, महिलाओं और मेजबान समुदाय के सदस्यों सहित 500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। रन दो श्रेणियों में (5यरूऔर 10यरू) आयोजित किया गया था। दौड़ में सभी प्रतिभागीगण उत्साहित दिखे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पदक से सम्मानित किया गया।

# किसान बेईमान नहीं, शासन-प्रशासन की नीतियों पर गंभीर सवाल : अशोक फड़नवीस

**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** प्रदेश में धान खरीदी को लेकर किसानों की बढ़ती परेशानियों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक फड़नवीस ने सरकार और प्रशासनिक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मेहनतकश किसान, जिन्हें कभी प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार और गोल्डन मैन कहा जाता था, आज उसी सरकार की नजर में चोर बनते जा रहे हैं। टोकन जारी होने के बाद भी किसानों के घर-घर आरआई और पटवारियों को भेजकर धान की जांच कराना सरकार की नीयत और सोच पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

अशोक फड़नवीस ने कहा कि जिन किसानों को धान विक्रय के लिए विधिवत टोकन दिया गया है, उन्हीं किसानों के घर राजस्व विभाग के पटवारी भेजकर इकट्ठा किए गए धान की मात्रा की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में अब पटवारी ईडी और सीबीआई अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को यह संदेश दिया जा रहा है कि उनके पास जितना धान मिलेगा, उतनी ही राशि उनके रकबे के अनुसार नहीं दी जाएगी, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। फड़नवीस ने सवाल उठाया कि जब फसल कटाई से पहले ही पटवारी खेतों में जाकर रकबा और संभावित उत्पादन का सर्वे कर शासन को रिपोर्ट सौंपते हैं, तो उसी आधार पर धान की खरीदी क्यों नहीं की जा रही। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार किसानों को संदेह की दृष्टि से देख रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव के दौरान किसानों से बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन आज सरकार उन्हीं वादों से पीछे हटती नजर आ रही है। उन्होंने मांग की कि किसानों से 21 म्ंिटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी की जाए, खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त स्टाल और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किसानों को तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

फड़नवीस ने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में किसान टोकन के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। प्रशासनिक अव्यवस्था के चलते किसानों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है। राजस्व विभाग में हितग्राहियों के काम लंबे समय से लंबित हैं और विभाग में अराजकता का माहौल बना हुआ है।

सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान शासन के वल एक प्रयोगशाला बनकर रह गया है, जिसे यह भी स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन को कैसे संचालित किया जाए। इसका सीधा असर पूरे प्रशासनिक तंत्र पर पड़ रहा है और किसानों सहित आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों के सम्मान और अधिकारों से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि सरकार ने जल्द अपनी नीति नहीं बदली तो कांग्रेस किसानों के हित में आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।

# महासमुंद में गणतंत्र दिवस की तैयारी, कलेक्टर-एसपी ने लिया जायजा

### 13 विभागों की जीवंत झांकियां होंगी आकर्षण का केंद्र

**महासमुन्द ( समय दर्शन )।** महासमुंद में गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मिनी स्टेडियम में तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंच व्यवस्था, बेरिकेटिंग, मैदान की स्थिति और आगंतुक सुविधाओं का गहन अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

### मंच, सुरक्षा और आम जनता की सुविधाओं पर विशेष फोकस

कलेक्टर ने मंच की आकर्षक सजावट, मजबूत बेरिकेटिंग और सुव्यवस्थित प्रवेश-निकास व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीआईपी, अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया और आम नागरिकों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया ताकि किसी को असुविधा न हो।

### देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम

समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देशभक्ति की भावना और स्थानीय संस्कृति की झलक के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की तैयारियों का अवलोकन कर उन्हें बेहतर समन्वय और अनुशासन के साथ प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया गया।

### 13 विभागों की आकर्षक चलित झांकियां होंगी मुख्य आकर्षण

गणतंत्र दिवस समारोह में 13 विभागों और संस्थाओं द्वारा तैयार की गई थीम आधारित चलित झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। कलेक्टर ने झांकियों को नवाचार, रचनात्मकता और जीवंत प्रस्तुति के साथ तैयार करने के निर्देश दिए ताकि जिले की उपलब्धियों और योजनाओं को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया जा सके।

### उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी होंगे सम्मानित

समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर ने आमंत्रण पत्रों का समय पर वितरण और कार्यक्रम की मिनट-टू-मिनट रूपरेखा के अनुसार सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, एसडीएम अक्षा गुप्ता सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

# तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज ने मनाई भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव की जयंती

**पाटन ( समय दर्शन )।** ग्राम तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज के तत्वावधान में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ सत्ती माता मंदिर में भगवान सत्यनारायण कथा पुजा एवं कलश यात्रा से हुआ जिसमें कलश यात्रा महामाया मंदिर से होते हुए ग्राम भ्रमण किया। कलश यात्रा समाजिक भवन में पहुंचने के बाद भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की आरती किया गया। उसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि मान रूपनारायण सिन्हा जी अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, अध्यक्षता सुरेश सिन्हा जिलाध्यक्ष कलार समाज, संरक्षक भुनेश्वर प्रसाद सिन्हा,तोरन लाल सिन्हा महामंत्री कलार समाज दुर्ग,बिसहत सिन्हा जिला कोषाध्यक्ष,रिखीराम सिन्हा मण्डलेश्वर पाटन, चोवाराम सिन्हा संरक्षक,सुरेश कुमार सिन्हा सचिव,शैलैन्द्र सिन्हा कोषाध्यक्ष, तेजराम सिन्हा क्षेत्राधिकारी, श्रीमती चन्द्रिका साहू सरपंच तरीघाट,प्रकाश गिर गोस्वामी उपसरपंच, श्रीमती मीरा बाई सिन्हा,प्रेमलाल सिन्हा,जीवन लाल सिन्हा , किशोरी सिन्हा,गैदलाल सिन्हा स्थानीय अध्यक्ष, गजेन्द्र सिन्हा उपस्थित रहे। स्वजातीय बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा समाजिक संगठन को मजबूत करने, युवाओं से कहा समाज हित एवं राष्ट्रहित में काम रहे। जिलाध्यक्ष सुरेश सिन्हा ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जीवनी पर प्रकाश डाला, कलार समाज द्वारा स्वजातीय पंच एवं वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया।इस अवसर पर उपाध्यक्ष चेला राम सिन्हा ,देवचरण सिन्हा, हेमंत सिन्हा, भुपेश सिन्हा, श्रीमती ईन्द्राणी सिन्हा, अमरीका सिन्हा, उर्मिला सिन्हा,डोमेश, भुषण, चैन सिंह, चिन्ता राम, सुर्यकांत,रवि,विजय , छबिलाल सिन्हा, कलार समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिला सदस्य, युवा, बच्चे,अन्य समाज के प्रमुख, प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।मंच संचालन सुरेश सिन्हा ने किया आभार व्यक्त तोरन लाल सिन्हा ने किया।


## छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल - संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र- राजनांदगांव

### आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **HOUSING PROJECT AT KOURINBHATA** में स्थित **LIG Flats** संपत्ति क्रमांक-खुल्ल-383 (**G+3**) (**T/F**), **SMT. SAVITRI DEVI JANGHEL & SHRI SHIV KUMAR VERMA** पिता/ पति **SHRI SHIV KUMAR VERMA / SHRI KANWAL LAL VERMA** के नाम से आबंटित/नामंत्रित है, आबंटी द्वारा उक्त संपत्ति की सेलडीड /अनुबंध/लीजडीड दिनांक 27/01/2020 पंजीकृत कराने के उपरांत संपत्ति की पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य/ नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **SMT. SAVITRI DEVI JANGHEL & SHRI SHIV KUMAR VERMA** पिता/पति **SHRI SHIV KUMAR VERMA / SHRI KANWAL LAL VERMA**निवासी -**LIG Flats-LIG**-383 (**G+3**) (**T/F**),हाऊस नंबर-173 **Ward No** 08, **Motipur Rajnandgaon** (**C.G.**) के द्वारा उक्त संपत्ति को क्रेता (1)**simran khan fual firoj khan fare housing board colony deendayal colony kamla collage road ward** 45 **rajnandgaon pin code** 491441 के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) की मांग की गई है।

अत: उक्त संपत्ति के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**https://cghb.cg.nic.in/PaperAdvertisementDocument.aspx**

**संपदा अधिकारी**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र- राजनांदगांव 2/2**


### न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202601101500024/ अ-6/ 2025-26
पाटन,दिनांक 15.01.2026

ग्राम असोगा,प.ह.नं. 41
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन यादव पिता सुकालू राम यादव निवासी ग्राम असोगा तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम असोगा प.ह.नं.41 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 289 का टु. रकबा 0.10 हे. भूमि भूमिस्वामी जिवराखन पिता भोकलू निवासी ग्राम असोगा से पंजीकृत बैनामा दिनांक 08.06.1999 को आवेदक द्वारा क्रय किया गया है। अत: आवेदक द्वारा उक्त क्रय भूमि को अपने नाम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 05.02.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 15.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार**
**पाटन,जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

### //न्यायालय नायब तहसीलदार जामगांव आर.तह.पाटन जिला-दुर्ग ( छ.ग. )//

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व आम जनता एवं ग्राम कुर्मीगुण्डरा प.ह.नं. 48 को सूचनार्थ प्रकाशित जाता है कि आवेदक जीतू यादव पिता स्व. ऋषि कुमार यादव निवासी ग्राम कुर्मीगुण्डरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)द्वारा मौजा ग्राम कुर्मीगुण्डरा प.ह.नं. 48 तहसील पाटन जिला दुर्ग में आवेदक अपनी दादी भगवंतीन बाई यादव पति पाडे यादव निवासी कुर्मीगुण्डरा का मृत्य दिनांक 12.05.1978 ग्राम कुर्मीगुण्डरा तह.पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा आवेदक अपनी दादी का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन, शपथ पत्र, संलग्न किया गया है। कार्यालय उपसंचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी जिला दुर्ग से अनुपलब्धता प्रमाण पत्र आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 05/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

**नायब तहसीलदार**
**जामगांव ( आर ) पाटन,जिला दुर्ग ( छ.ग. )**

मुहर

### न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500021/ अ-6अ/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम अमेरी, गभरा प.ह.नं. 13
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चंद्रिका पिता गोकुल अन्य 01 निवासी ग्राम अमेरी तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम अमेरी प.ह.नं.13 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 506, 563, 564, 565/1, 632, 693, 694, 972 रकबा क्रमश: 0.03, 0.12, 0.40, 0.02,0.30 हे. तथा ग्राम गभरा प.ह.नं. 13 तह.पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 194, 212/1, 213 रकबा क्रमश: 0.23, 0.08,1.01 हे. भूमि आवेदिकागण के शामिलात खाते में दर्ज है। उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में आवेदिका क्रमांक 1 चंद्रिका का नाम चुनेश्वर पिता गोकुल दर्ज है तथा आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो में नाम चंद्रिका पिता गोकुल दर्ज है तथा आवेदिका क्रमांक 2 गुनेश्वरी का नाम उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में पूजा पिता गोकुल दर्ज है जबकि आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में नाम गुनेश्वरी पिता गोकुल दर्ज है अत: आवेदिकागण द्वारा उक्त आवेदित भूमि के आनलाईन रिकार्ड में अपने-अपने नाम को त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है

अत: आवेदक द्वारा नाम त्रुटि सुधार में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार**
**पाटन,जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

### न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500019/ अ-27/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम कौही,प.ह.नं. 40
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेहत्तर पिता सुनहर निवासी ग्राम कौही तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम कौही प.ह.नं.40 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 417, 840 रकबा क्रमश: 0.31, 0.75 हे. आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा अपने जीवन काल में उक्त आवेदित भूमि को अपने पुत्रो दयाराम, श्यामलाल, राजेन्द्र सभी पिता मेहत्तर को बटवारा देना चाहता है। अत: आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि को आवेदक द्वारा अपने जीवनकाल में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा खाता विभाजन का आवेदन में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार**
**पाटन,जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

### न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग ( छ.ग. )

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ 202512101500020/ अ-6अ/ 2024-25
पाटन,दिनांक 13.01.2026

ग्राम अमेरी,प.ह.नं. 13
तहसील पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका तारणी पिता नारायण निवासी ग्राम अमेरी तह.पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम अमेरी प.ह.नं.13 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 227/1, 228 रकबा क्रमश: 0.17, 0.14 हे. आवेदिका के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। उक्त भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड तथा ऋण पुस्तिका में आवेदिका का नाम तुलसी पिता नारायण दर्ज है। जो कि आवेदिका के विवाह के पूर्व का नाम था जबकि विवाह में पश्चात आवेदिका नाम तारणी पति खेलकुमार हो गया है जो कि आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अत: आवेदिका द्वारा उक्त आवेदित भूमि के ऑनलाईन रिकार्ड में अपने नाम तुलसी पिता नारायण के स्थान पर तुलसी उर्फ तारणी पिता नारायण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है

अत: आवेदक द्वारा नाम त्रुटि सुधार में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 27.01.2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार**
**पाटन,जिला-दुर्ग ( छ.ग. )**

भाजपा एक परिवार की तरह है जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है--विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

# संगठनात्मक शक्ति से गढ़ेंगे नया इतिहास-विधायक डॉ. संपत अग्रवाल



**बसना ( समय दर्शन )।** भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिला महासमुंद के अंतर्गत विभिन्न मंडलों के लिए नवनियुक्त मंडल प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की घोषणा की गई है। संगठन द्वारा सौंपी गई इस नई जिम्मेदारी का स्वागत करते हुए बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने नवनियुक्त प्रभारियों के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जिन ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को यह दायित्व सौंपा है, उनके आने से जिले में पार्टी की गतिविधियों को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के कुशल नेतृत्व, अथक समर्पण और अद्वितीय संगठनात्मक क्षमता से हमारे मंडल न केवल सशक्त होंगे, बल्कि आगामी समय में संगठन की जीत का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं और नवनियुक्त प्रभारियों को संबोधित करते हुए विस्तार पूर्वक कहा कि राजनीति में पद केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा का एक माध्यम है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी प्रभारी जमीनी स्तर पर जाकर कार्यकर्ताओं से संवाद करें और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करें। विधायक डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि भाजपा एक परिवार की तरह है जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रभारियों और सह-प्रभारियों की यह नियुक्ति पार्टी के 'अंत्योदय' के संकल्प को सिद्ध करने में सहायक होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सामूहिक प्रयासों से महासमुंद जिला भाजपा का एक अभेद्य दुर्ग बनेगा।

इस नियुक्ति के बाद पूरे जिले और बसना विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि डॉ. संपत अग्रवाल के मार्गदर्शन और नए प्रभारियों के समन्वय से क्षेत्र में विकास और संगठन दोनों को नई गति प्राप्त होगी।

### भाजपा जिला महासमुंद : मण्डल प्रभारी एवं सह-प्रभारी सूची

(1) महासमुन्द शहर: श्रीमती मोनिका साहू (प्रभारी) एवं स्वप्नील तिवारी (सह-प्रभारी) (2) महासमुन्द ग्रामीण: थान सिंह दीवान (प्रभारी) एवं प्रेम साहू (सह-प्रभारी) (3) तुमगांव: श्रीमती जान्हवी साहू (प्रभारी) एवं श्रीमती कल्पना सिंहा (सह-प्रभारी) (4) झलप: नरेश चंद्राकर (प्रभारी) एवं प्रितराम सुर्य (सह-प्रभारी) (5) सिरपुर ङ्क पटेवा हेमंत तिवारी (प्रभारी) एवं भुवन साहू (सह-प्रभारी) (6) बागबाहरा शहर: राहुल चंद्राकर (प्रभारी) एवं धरम पटेल (सह-प्रभारी) (7) बागबाहरा ग्रामीण: सतपाल सिंह पाली (प्रभारी) एवं प्रेम चंद्राकर (सह-प्रभारी) (9) खल्लारी: नरेंद्र गिरी (प्रभारी) एवं आनंद साहू (सह-प्रभारी) (9) कोमाखान: प्रदीप चंद्राकर (प्रभारी) एवं प्रकाश शर्मा (सह-प्रभारी) (10) पिथौरा ग्रामीण: मनीष बंसल (प्रभारी) एवं श्याम साकरकर (सह-प्रभारी) (11) पिथौरा शहर: धनेश नायक (प्रभारी) एवं विजय प्रधान (सह-प्रभारी) (12) सांकरा: दुबेलाल साहू (प्रभारी) एवं श्रीमती सुशीलकांती पटेल (सह-प्रभारी)

(13) बसना: संजय शर्मा (प्रभारी) एवं मंत्री प्रधान (सह-प्रभारी)

(14) पिरदा: स्वर्ण सिंह सलूजा (प्रभारी) एवं प्रदीप साहू (सह-प्रभारी)

(15) गढ़फुलझर: श्रीमती कुमारी भास्कर (प्रभारी) एवं श्रीमती सीता सतपथी (सह-प्रभारी)

(16) सरायपाली: विधाचरण चौधरी (प्रभारी) एवं अनिल अग्रवाल (सह-प्रभारी)

## जिला न्यायालय दुर्ग द्वारा न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक जिला स्तरीय स्पोर्ट्स मीट का सफल आयोजन

**दुर्ग( समय दर्शन )।** माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा न्यायाधीशों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने हेतु निरंतर प्रेरित किए जाने से अनुप्रेरित होकर, जिला न्यायालय दुर्ग द्वारा न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शारीरिक एवं मानसिक सुदृढ़ता के साथ-साथ आपसी एकता, ऊर्जा एवं सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्पोर्ट्स मीट का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक किया गया। इस आयोजन में जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक एवं बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा किया गया, जिनके करकमलों से कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन संपन्न हुआ।

स्पोर्ट्स मीट के अंतर्गत कैरम, बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस सहित अनेक महत्त्वपूर्ण खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों के साथ-साथ दर्शकों में भी विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली इस अवसर पर उपस्थित माननीय न्यायिक अधिकारियों द्वारा खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि नियमित खेल गतिविधियाँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं, बल्कि मानसिक तनाव को कम कर कार्यक्षमता एवं सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करती हैं। इस प्रकार के आयोजन न्यायालयीन कार्यों में समन्वय, सहयोग तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं। स्पोर्ट्स मीट के सफल आयोजन में आयोजन समिति, न्यायालयीन स्टाफ एवं स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

# कन्नौजिया कुर्मी एकता मंच द्वारा 375 लोगो ने किया शपथ ग्रहण

### कन्नौजिया कुर्मी एकता मंच (छ.ग.) पंजीयन क्रमांक का सभी पांचो परिक्षेत्र के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण अथरिया कुर्मी समाज भवन नेताजी चौक जांजगीर में संपन्न हुआ



**जांजगीर ( समय दर्शन )।** कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति किशन कश्यप (जिला पंचायत सदस्य), श्री भरत लाल कश्यप, अध्यक्ष प्रदेश क्षत्रिय कन्नौजिया कुर्मी समाज, श्रीमती प्रतिभा देवी कश्यप (अध्यक्ष नगर पंचायत राहोद), श्रीमती शांति घासीराम कश्यप (उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नवागढ़), श्री तुकाराम चंद्रवंशी (युवा उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज), श्रीमती नंदिनी राजवाड़े (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष), भोजराम वर्मा, चंदखुरी ,श्री राजकुमार कौशिक उपस्थित थे।

संतोष कुमार कश्यप (कैथा) को पुन: कन्नौजिया कुर्मी एकता मंच की केंद्रीय समिति का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष श्री अरविंद कश्यप (पोड़ी), श्री घासीराम कश्यप (सिंधुल), महासचिव श्री बुदराम कश्यप (टुंड्री), श्री कमल कश्यप संरक्षक (बिलासपुर) , श्री संतोष कश्यप संरक्षक (बोरदा), अरविंद कश्यप संरक्षक (जांजगीर), श्री रामकृष्ण कश्यप संरक्षक (सलखन),उपाध्यक्ष विष्णु कश्यप चोरभट्टी,उपाध्यक्ष विश्वामित्र कश्यप बिलासपुर, उपाध्यक्ष चंद्रकांत कश्यप सर्वा , उपाध्यक्ष खगेंद्र कश्यप कचंदा, उपाध्यक्ष मालिकराम कश्यप कुकदा, उपाध्यक्ष लव कश्यप, सचिव लक्ष्मण कश्यप रिंगनी, सह सचिव मनीष सर्वे कचंदा, कोषाध्यक्ष गोपी कश्यप हसौद सह कोषाध्यक्ष योगेश कश्यप, सलाहकार जितेंद्र कश्यप, सुरेश कश्यप, सुरेश कौशिक,मीडिया प्रभारी दुर्गेश कश्यप, सह मीडिया प्रभारी शिव कश्यप, संगठन मंत्री मिथलेश कश्यप, पंकज कौशिक डोंगा कोहरौद,महामंत्री प्रकाश कश्यप, राम शरण कश्यप, संचार मंत्री दिनेश कश्यप कामता, रामेश्वर कश्यप कुकदा, प्रवक्ता रामगोपाल कश्यप, महेश कश्यप और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इसी तरह से 5 परिक्षेत्रों में मल्दा परिक्षेत्र के अध्यक्ष श्री मनोज कश्यप, सर्वा परिक्षेत्र से देवेन्द्र वर्मा, सलखन परिक्षेत्र से श्री रमेश कश्यप, डोगाकोहरौद परिक्षेत्र से श्री ईश्वर कश्यप, सिलदहा परिक्षेत्र से पंकज वर्मा, जांजगीर नगर अध्यक्ष शिव कश्यप, नवागढ़ नगर अध्यक्ष झाम कश्यप, सक्ती नगर अध्यक्ष संजय कश्यप, राहौद नगर अध्यक्ष दीपक कश्यप टीम सहित सभी 375 पदाधिकारियों का एक साथ शपथ ग्रहण कराया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री तुकाराम. चंद्रवंशी (युवा उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज) ने समाज में शिक्षा से महत्वपूर्ण बताते हुये, आर्दश समाज स्थापित करने एवं संगठित करने हेतु महत्वपूर्ण उद्बोधन दिया, वही सभा मे एकता मंच छ.ग. ने युवा टीम को बधाई। देते हुये संबोधित किया।

कन्नौजिया कुर्मी एकता मंच के प्रदेशाध्यक्ष श्री संतोष कश्यप जी ने बताया कि यह मंच रोटी बेटी दण्ड करने के लिये नहीं बना है बल्कि समाज में शिक्षा, राजनीति, व्यवसाय, कृषि , ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन, प्रतिभावान छात्र छात्राओं प्रतिभाओं का सम्मान करना शासकीय कार्यालयों में किसी भी प्रॉब्लम को एक जुटता के साथ खड़े होकर सहयोग करना, समाज के उत्थान के लिये हमारा टीम हमेशा तत्पर रहेगा।

## नक्सलवाद को बड़ा झटका : 45 लाख के ईनामी 9 हार्डकोर माओवादियों ने हथियारों सहित किया आत्मसमर्पण




**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** शासन की प्रभावी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और सुरक्षाबलों के लगातार दबाव का असर एक बार फिर देखने को मिला है। प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की सीनापाली एरिया कमेटी और एसडीके एरिया कमेटी के कुल 9 हार्डकोर माओवादियों ने गरियाबंद में अपने 6 ऑटोमेटिक हथियारों सहित आत्मसमर्पण कर दिया। इन सभी पर कुल 45 लाख रुपये का इनाम घोषित था।आत्मसमर्पण करने वालों में डिवीजनल कमेटी से लेकर एरिया कमेटी और पार्टी सदस्य स्तर तक के माओवादी शामिल हैं, जिनके पास एके-47, एसएलआर और 303 जैसे घातक हथियार थे। अंजू उर्फ कविता डीजीएन डिवीजन सचिव/एसडीके एसी सचिव, 8 लाख की ईनामी,एके-47 के साथ,बलदेव उर्फ वामनवट्टी डिवीजनल कमेटी सदस्य/सीनापाली एसी प्रभारी,8 लाख ईनामी, एके-47 ,डमरू उर्फ महादेव डिवीजनल कमेटी सदस्य,8 लाख ईनामी,एके-47,सोनी उर्फ बुदरी ङ्क सीनापाली एरिया कमेटी सचिव,8 लाख ईनामी, एसएलआर,रंजीत उर्फ गोविंद एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी,एसएलआर,पार्वती उर्फसुक्की कारम एरिया कमेटी सदस्य,5 लाख ईनामी,रतना उर्फसोमडी कुंजाम पार्टी सदस्य,1 लाख ईनामी, 303 हथियार,नवीता उर्फ डांगी मंडावी पार्टी सदस्य,1 लाख ईनामी,सरूपा एसडीके एरिया कमेटी पार्टी सदस्य,1 लाख ईनामी शामिल है।

आत्मसमर्पण करने वाले कई माओवादी वर्ष 2004-2006 से संगठन में सक्रिय थे और गरियाबंद सहित बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जैसे जिलों में हिंसक घटनाओं में शामिल रहे।

## क्रेडा विभाग द्वारा तीन नवीन सौर हाईमास्ट संयंत्र किया गया स्थापित

**मुंगेली( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हरिहर क्षेत्र मदकूद्वीप एक बार फिर विकास के नए प्रकाश से आलोकित हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की मंशानुरूप पर्यटन स्थलों पर आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत मदकूद्वीप में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर सौर हाईमास्ट संयंत्रों का लोकार्पण किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा मदकूद्वीप में तीन नवीन सौर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिन्हें घाट क्षेत्र, यज्ञशाला एवं मंदिर परिसर के समीप लगाया गया है। इन संयंत्रों के माध्यम से पूरे क्षेत्र में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, भूपेन्द्र सवन्नी अध्यक्ष क्रेडा, पूर्व विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा, महात्यागी रामरूपदास मौजूद रहे। यह पहल न केवल पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाएगी, बल्कि सुरक्षा, आवागमन और धार्मिक गतिविधियों के संचालन में भी उल्लेखनीय सुधार लाएगी। साथ ही, सौर ऊर्जा के उपयोग से यह परियोजना स्वच्छ, सतत एवं पर्यावरण-संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से दर्शाती है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण स्पष्ट रूप से देखने को मिला। यह इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से धरातल पर उतर रही हैं और आमजन के जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं समृद्ध बना रही हैं। मदकूद्वीप में सौर हाईमास्ट संयंत्रों की स्थापना निस्संदेह आस्था, पर्यटन और सतत विकास के सुंदर संगम का प्रतीक है, जो आने वाले समय में इस पावन स्थल को एक आदर्श पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# धान नहीं बेच पाने को लेकर किसान राम जी पटेल ने बयां किया अपना दर्द

### धान के वर्तमान खरीद दौर में प्रशासनिक कारणों के चलते धान नहीं बेच पाने से किसान हो रहे चिंतित



**कोरबा ( समय दर्शन )।** चैतमा अंतर्गत के धान खरीदी केंद्र में आए हुए किसान राम जी पटेल जो ग्राम चैतमा के निवासी किसान है का कहना है वो समिति में पंजिकृत किसान हैं उनका एग्रस्टेक से पंजीयन भी है और वह दो बार बैंक से ऋण भी उठा चुके है उनके पास सभी दस्तावेजी साक्ष्य सब सही सही है उसके बाद भी जब वह टोकन कटाने गए तो सिस्टम में उनका रकबा निरंक दिख रहा है किसान राम जी पटेल के भूमि का रकबा ही नहीं बता रहा है जिसके कारण किसान धान नहीं बेच पा रहा है उक्त किसान ने बताया की इस तरह की समस्या और भी किसानों के पास भी उत्पन्न हो रहें है जिसके कारण किसान धान बेचने से वंचित हो रहें है । धान नहीं बिकने के कारण वे आर्थिक रूप से कमजोर और परेशान हो रहें है, चिंतित अवस्था में किसान राम जी पटेल ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि किसान और किसान के परिवार का जीवन चक्र फसल पर ही आधारित होता है , फसल उत्पादन और उसे बेच कर जो आय प्राप्त होता है उसी से उनका परिवार का जीवन यापन हो पाता है बहुत से किसानों का कर्ज छुटने से लेकर, बच्चों की पढ़ाई का खर्चा, बेटा बेटियों के विवाह आदि जैसे कार्य किसान फसल बेच कर अर्जित आय से ही संपन्न कर पाता है । अगर सरकार धान नहीं खरीदेगी तो किसान अपने परिवार की भरण पोषण की जिम्मेदारी कैसे निभा सकेगा ?

कुछ किसान धान खरीद में इस तरह के उत्पन्न समस्याओं को लेकर काफी चिंतित और नाराज़ दिखे । इन सभी बातों से यह स्पष्ट पता चलता है की कहीं कहीं धान खरीदी केंद्रों और खरीदी व्यवस्थाओं के दौरान आने वाले दिक्कतों के कारण किसान अपना धान नहीं बेच पा रहे है ।

शायद यही कारण है कि वर्तमान धान खरीदी के दौर में कुछ किसानों का रकबा कटा है तो कुछ किसानों का रकबा ही निरंक बता रहा है। धान खरीदी अव्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए किसान कह रहें हैं कि किसानों का रकबा सुधार के लिए तहसील ऑफिस के कई बार चक्कर काटना पड़ रहा है। उसके बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा है ।

प्रशासनिक कारणों के चलते किसान चिंतित है लेकिन ये पहला मामला है जब किसी किसान धान खरीद की अव्यवस्था को लेकर परेशान न हुआ हो अब तक जिले में किसानों ने आत्महत्या करने का प्रयास भी किया है। जो एक गंभीर विषय है।

# सिलीगुड़ी में ऑल इंडिया पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर गरियाबंद के मनीष चंद्राकर और दर्शना यादव छत्तीसगढ़ टीम में चयनित

### राष्ट्रीय मंच पर जिले का नाम रोशन करने को तैयार दोनों खिलाड़ी




**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (स्स्क्र) के तत्वावधान में 19 से 23 फरवरी 2026 तक द्वितीय ऑल इंडिया पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर 2025-26 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की 28 एवं महिला वर्ग की 14 टीमें भाग ले रही हैं।वही छत्तीसगढ़ पुलिस हैंडबॉल टीम भी पूरे उत्साह के साथ भाग ले रही है।खास बात यह है कि इस टीम में गरियाबंद जिले के दो पुलिस जवानों का चयन हुआ है,जिससे जिले में हर्ष और गर्व का वातावरण है।चयनित खिलाड़ियों में आरक्षक मनीष चंद्राकर (थाना फिंगेश्वर) एवं आरक्षक दर्शना यादव (थाना अजाक) शामिल हैं,जो वर्तमान में गरियाबंद पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।छत्तीसगढ़ पुरुष हैंडबॉल टीम का नेतृत्व कोच जगमईया राव, प्रमोद रावत एवं सूरज बहादुर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। टीम सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) पहुंच चुकी है और प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार है। आरक्षक मनीष चंद्राकर लगातार 4 बार पुलिस खेलों में तथा लगभग 30 बार राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें पुलिस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं आरक्षक दर्शना यादव तीसरी बार पुलिस खेलों में हिस्सा ले रही हैं और पूर्व में भी कई राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी वर्तमान में भिलाई स्थित प्रशिक्षण शिविर में गहन अभ्यास कर रहे हैं। गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि गरियाबंद जिले के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि हमारे दो पुलिस जवान राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मनीष चंद्राकर और दर्शना यादव ने अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन से यह उपलब्धि हासिल की है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गरियाबंद पुलिस बल न केवल कानून-व्यवस्था में बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा

## संक्षिप्त-खबर

### अजीत जोगी युवा मोर्चा ने फूड ऑफिसर को सौंपा ज्ञापन, नकली खाद्य पदार्थों की जांच की मांग



**राजनांदगांव।** नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री और राशन दुकानों में अनियमितताओं के खिलाफ अजीत जोगी युवा मोर्चा ने फूड ऑफिसर और फूड ड्रग इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपा। मोर्चा ने नकली पनीर, दूध सहित अन्य खाद्य पदार्थों की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम के निर्देश पर युवा शहर जिलाध्यक्ष बिलाल सोलिन खान के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया गया। बिलाल ने कहा कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में खुलेआम नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री हो रही है, जिससे आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राशन दुकानें समय पर नहीं खुलतीं और वितरण में गड़बड़ियां की जा रही हैं। मोर्चा ने ऐसे दुकानदारों के खिलाफ जांच कर लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है।

बिलाल सोलिन खान ने कहा कि यदि जल्द ही जांच कर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम के नेतृत्व में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस मौके पर जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, शहर अध्यक्ष अकलतरा अंकू पांडे, मुकेश साहू, अजय मार्कण्डेय, साहिल खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### स्वास्थ्य विभाग एवं रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जिले के ट्रैफिक मितान व पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को दी गई फर्स्ट एड की ट्रेनिंग



**सारँगढ़ बिलाईगढ़ ( समय दर्शन )।** पुलिस अधीक्षक जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं स्ठ्ठक्कके मार्गदर्शन से स्वास्थ्य विभाग व रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में ट्रैफ़िक मितानों व पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को प्राथमिक उपचारराहगीर योजना , 1.5 लाख तक कैशलेस ट्रीटमेंट , द्गठ्ठक्र एंट्री के संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान डॉक्टर साहब द्वारा अलग अलग प्रकार के दुर्घटना के उपरांत दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार के बारे में बताया गया जैसे रोड एक्सीडेंट,सर्पदंश, पानी में डूबना, विद्युत करंट लगने पर, जहर संबंधी प्रकरण इत्यादि। हार्ट अटैक आने पर मरीज को प्रारंभिक इलाज ष्टक्कक्र देने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया जिससे मौके पर ही प्रारंभिक उपचार प्राप्त हो सके।

वर्तमान के बढ़ते रोड एक्सीडेंट के प्रकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण में रोड एक्सीडेंट के दौरान मौके पर दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार को विस्तार से बताया गया साथ ही अत्यधिक रक्तस्राव या फ्रैक्चर होने पर कैसे मरीज को स्थिर रखते हुए हॉस्पिटल लेकर जाना है इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान घायल/मरीज़ को प्राप्त राहगीर योजना ,1.5 लाख तक कैशलेस ट्रीटमेंट , द्गठ्ठक्रएंट्री के संबंध में भी जानकारी दी गई जिससे इन योजनाओं के तहत उनका इलाज कराया जा सके। ट्रेनिंग के दौरान उपस्थित ट्राफ़िक मितानों को ट्राफ़िक मितान किट प्रदाय किया गया।

### चीनी मांझे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध ङ्क पर्यावरण संरक्षण मंडल की जनसामान्य से अपील

**बेमेतरा ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा दिनांक 25 फरवरी 2017 को जारी अधिसूचना के तहत नायलोन, सिंथेटिक अथवा ऐसे किसी भी प्रकार के धागे, जिनमें पतले शीशे, धातु या अन्य धारदार सामग्री सम्मिलित हो — जिन्हें सामान्यत: चीनी मांझा/चीनी धागा कहा जाता है — के विक्रय, उत्पादन, भंडारण, आपूर्ति एवं उपयोग पर छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने बताया कि चीनी मांझे के उपयोग से आम नागरिकों, वाहन चालकों, बच्चों एवं पक्षियों के साथ लगातार गंभीर दुर्घटनाएँ घटित हो रही हैं। इन घटनाओं में कई बार गंभीर रूप से घायल होने तथा मृत्यु तक के मामले सामने आए हैं, जो अत्यंत चिंताजनक हैं।

पर्यावरण संरक्षण मंडल ने जनसामान्य से अपील की है कि पतंग उड़ाने के दौरान चीनी मांझे का किसी भी स्थिति में उपयोग न करें, तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराएँ। मंडल ने स्पष्ट किया कि इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंडल ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल सूती धागे का ही उपयोग करें तथा स्वयं के साथ-साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग ( छ.ग. ) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-28